▪ श्रावण शुक्ल - 3 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 27 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 19-08-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कुछ पड़ोसी देशों ने लद्दाख में जी20 रोकने का प्रयास किया : ठाकुर

6 पहाड़ी जीवन और रहन सहन पर बदलनी होगी सोच

7 जरूरत पड़ी तो 1,000 साल जेल में बिताने को तैयार : इमरान

फर्स्ट टेक

अफगानिस्तान में 25 अस्पताल हो सकते है बंद

काबुल/वार्ता। रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति (आईसीआरसी) अनुदान की कमी के कारण अगस्त के आखिर तक अफगानिस्तान में 25 अस्पतालों का वित्तीय संचालन बंद कर सकती है। आईसीआरसी के प्रवक्ता डिओगो अलकेन्टारा गुरुवार को कहा, हालांकि हम अस्पताल क्षेत्र के लिए वैकल्पिक स्थायी सहायता तंत्र खोजने के लिए सरकारी मंत्रालयों, दानदाताओं और संगठनों के साथ जुड़ना जारी रखे हुए हैं, लेकिन अस्पताल कार्यक्रम को चरणबद्ध तरीके से अगस्त के आखिर में बंद होने उम्मीद है। प्रवक्ता अलकेन्टारा ने कहा, आईसीआरसी के पास लंबे समय तक पूरी तरह से क्रियाशील सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र को बनाए रखने के लिए न तो जनादेश है और न ही संसाधन हैं।

इक्वाडोर : राष्ट्रपति चुनाव, प्रचार के दौरान चली गोलियां

ब्यूनस आयस/वार्ता/स्पूतनिक। इक्वाडोर के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डेनियल नोबोआ के गुयास प्रांत के दुरान शहर में प्रचार अभियान के समापन कार्यक्रम के दौरान गोलियों की आवाज सुनी गई। स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एल यूनिवर्सो अखबार की रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार शाम नेशनल डेमोक्रेटिक एक्शन राजनीतिक आंदोलन के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार नोबोआ के कार्यक्रम के दौरान गोलियों की आवाजें सुनी गईं। कार्यक्रम में भाग लेने वाले पत्रकारों ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह उम्मीदवार पर हमला था। गोलियों की आवाज जब सुनी गई तो नोबोआ डुरान के मध्य में था। रिपोर्ट में कहा गया है कि राजनेता के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें बिना किसी नुकसान के बाहर निकाल लिया।

बिडेन 'बिना किसी पूर्व शर्त' के उत्तर कोरिया के नेता से मिलने को तैयार

वाशिंगटन/वार्ता। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन ने कोरियाई प्रायद्वीप पर सुरक्षा और परमाणु निरस्त्रीकरण पर चर्चा के लिए उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से बिना किसी शर्त के मिलने को तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संचार समन्वयक जॉन किर्बी ने जापानी समाचार एजेंसी क्योडो के साथ एक साक्षात्कार में कहा, उन्होंने (उत्तर कोरिया) उस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन यह अभी भी मेज पर है। हम बिना किसी पूर्व शर्त के बैठकर बातचीत करने को तैयार हैं। किर्बी ने यह नहीं बताया कि शीर्ष स्तरीय बैठक आयोजित करने की पेशकश कब की गई थी, लेकिन उन्होंने कहा कि बिडेन प्रशासन प्योंगयांग तक पहुंचने के प्रयास बढ़ा रहा है।

सूर्यास्त 18-08-2023 6:28 बजे	सूर्योदय 19-08-2023 5:56 बजे
BSE 65,151.02 (-388.40)	NSE 19,365.25 (-99.75)
सोना 6,127 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 76,200 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नाम-काम भेद

नाकाम बता कर दूजों को,
कुछ कहते खुद को कामदार।
जो नामी बने विरासत से,
वे बने स्वतः ही नामदार।
जिनने भी कर दी पगचम्पी,
वे हक से हुए ईनामदार।
सब काम नाम ईनाम चले,
जब मिल जाए यदि दामदार।।

आर्थिक समृद्धि के नए युग के मुहाने पर खड़ा है भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आर्थिक स्थिति के बारे में आकर्षक तस्वीर पेश करने वालीं कुछ रिपोर्ट का जिक्र करते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत न्यायोचित एवं सामूहिक समृद्धि की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है और यह आर्थिक समृद्धि के नए युग के मुहाने पर खड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर लिखी एक टिप्पणी में कहा कि उन्होंने हाल ही में प्रकाशित दो शोधपरक लेख देखे हैं, जो भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर उत्साही रुख रखने वाले सभी लोगों को पसंद आएंगे। इनमें से एक रिपोर्ट एसबीआई रिसर्च की है, जबकि दूसरी रिपोर्ट पत्रकार अनिल पद्मनाभन ने लिखी है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ये रिपोर्ट कुछ ऐसे पहलू पर रोशनी डालती हैं जिन्हें देखकर हमें बहुत खुश होना चाहिए। इसके मुताबिक, भारत न्यायोचित एवं सामूहिक समृद्धि हासिल करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है।

उन्होंने इन रिपोर्ट में दिए गए कुछ आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि एसबीआई रिसर्च ने जमा किए गए आयकर रिटर्न (आईटीआर) के आधार पर वित्त वर्ष 2022-23 में भारित औसत आय 13 लाख रुपए पर पहुंचने की बात कही है, जबकि कर आकलन वर्ष 2013-14 में यह 4.4 लाख रुपए थी।

प्रधानमंत्री ने इन रिपोर्ट से ऐसे कई आंकड़े पेश करते हुए कहा कि ये निष्कर्ष न केवल भारत के सामूहिक प्रयासों को दर्शाते हैं बल्कि एक देश के तौर पर भारत की क्षमता को भी दिखाते हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय प्रगति के लिए समृद्धि बढ़ना अच्छी बात है। निस्संदेह हम आर्थिक समृद्धि के एक नए युग के मुहाने पर खड़े हैं और वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' का सपना पूरा करने की राह पर अग्रसर हैं।

प्रधानमंत्री मोदी वर्ष 2047 में देश की आजादी के 100 साल पूरा होने तक भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प कई बार जता चुके हैं। भारत इस समय दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति से निपटने की तैयारी करे विश्व : मोदी

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व से अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति से निपटने की तैयारी करने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि नवाचार, प्रौद्योगिकी और वित्त उपलब्धता समान होनी चाहिए। मोदी ने आज गुजरात के गांधीनगर में जी- 20 देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य रहना न केवल मानसिक और शारीरिक स्थिति है बल्कि जीवन का सुदृढ आधार है। उन्होंने कहा कि देश में 21 लाख चिकित्सक, 35 लाख नर्स, 13 लाख फार्मासिस्ट और करोड़ों सहायक कर्मी स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र को मजबूत बनाते हैं। मोदी ने कहा कि कोविड महामारी ने स्वास्थ्य को सभी निर्णय के केंद्र में रखने पर जोर दिया है। महामारी ने स्वास्थ्य के संबंध में दवाईयां और टीके को लेकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने वैक्सीन मैत्री पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने 100 से अधिक देशों को 30 करोड़ वैक्सीन खुराक पहुंचाई, जिनमें वैश्विक दक्षिण के कई देश भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों को लचीला होना चाहिए। अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति निपटने की तैयारी करनी चाहिए। दुनिया के एक हिस्से में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बहुत कम समय में दुनिया के अन्य सभी हिस्सों को प्रभावित कर सकती हैं।

सरकार ने टमाटर 40 रुपए किलो के भाव पर बेचने के दिए निर्देश

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता माहासंघ लि. (एनसीसीएफ) और नेफेड को 20 अगस्त से 40 रुपये प्रति किलोग्राम के खुदरा मूल्य पर टमाटर बेचने का निर्देश दिया गया है। अभी ये एजेंसियां 50 रुपये के भाव पर टमाटर बेच रही हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने थोक और खुदरा बाजारों में टमाटर की कीमतों में लगातार जारी गिरावट को देखते हुए यह ताजा निर्देश जारी किया है। मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है, दिल्ली-एनसीआर में टमाटर की खुदरा बिक्री 14 जुलाई, 2023 से शुरू हुई थी। गत 13 अगस्त, 2023 तक दोनों एजेंसियों ने कुल 15 लाख किलोग्राम टमाटर की खरीद की है, जिसे देश के प्रमुख खपत केंद्रों में खुदरा उपभोक्ताओं को लगातार बेचा जा रहा है।

वर्षाबाधित टी20 में भारत दो रन से जीता

डबलिन/वार्ता। भारत ने जसप्रीत बुमराह (24/2) और रवि बिश्नोई (23/2) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत शुक्रवार को वर्षाबाधित पहले टी20 में डकवर्थ लुईस पद्धति से आयरलैंड को दो रन से मात दी।

आयरलैंड ने बैरी मकार्थी (51 नाबाद) और कर्टिस कैंफर (39) के साथ उनकी अर्द्धशतकीय साझेदारी की बदौलत भारत के सामने 140 रन का लक्ष्य रखा। भारत ने बारिश के कारण खेल रुकने से पहले 6.5 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 47 रन बना लिये।

लंबे समय तक बारिश न रुकने के बाद भारत को डकवर्थ लुईस पद्धति से विजेता घोषित किया गया।

चांद को 'चूमने' के लिए लैंडर की गति 'डीबूस्ट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/वार्ता। चांद से कुछ ही दिनों की दूरी पर 'चक्कर ' काट रहे चंद्रयान -3 के लैंडर विक्रम को 30 किमी के निकटतम बिंदु (पेरिल्यून) और 100 किमी के सबसे दूर बिंदु (अपोल्यून) वाली कक्षा में स्थापित करने के लिए शुक्रवार को इसकी गति को सफलतापूर्वक कम किया गया। अब चंद्रयान-3 चांद पर 'कदम' रखने से चंद दिन ही दूर है।

इसरो की ओर से जारी बयान में कहा गया,सॉफ्ट लैंडिंग की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए आज शाम चार बजे लैंडर की गति को 'डीबूस्ट' किया गया। इसरो के वैज्ञानिकों का मानना है कि इस बार लैंडर विक्रम सफलतापूर्वक चांद की सतह पर उतर जायेगा।

गुरुवार को प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) से अलग हुए विक्रम लैंडर की कक्षा को आज घटाकर 113 किमी गुणा 157 किमी कर दिया गया। दूसरा डीबूस्टिंग ऑपरेशन 20 अगस्त की सुबह दो बजे किया जायेगा। इसरो ने कहा कि लैंडर का स्वास्थ्य सामान्य है। 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में इसरो ने कहा, चंद्रयान-3 मिशन: द लैंडर मॉड्यूल (एलएम) का स्वास्थ्य सामान्य है। लैंडर ने सफलतापूर्वक एक डीबूस्टिंग ऑपरेशन किया जिससे इसकी कक्षा कम होकर 113 किमी गुणा 157 किमी हो गयी। दूसरा डीबूस्टिंग ऑपरेशन लगभग 20 अगस्त, 2023 को सुबह दो बजे निर्धारित है।

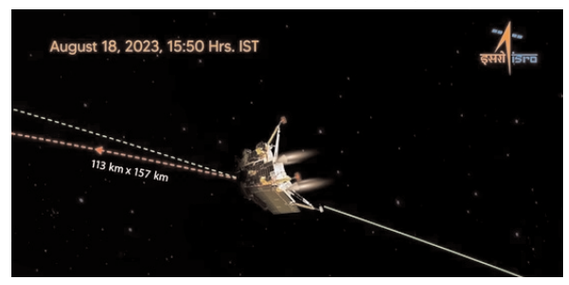

इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने चंद्रयान -3 की लैंडिंग के संबंध में कहा था, लैंडिंग का सबसे जरूरी हिस्सा लैंडर गी गति को 30 किलोमीटर की ऊंचाई से अंतिम लैंडिंग तक लाने की प्रक्रिया है और व्हीकल को हॉरिजॉन्टल से वर्टिकल डायरेक्शन में पहुंचाने की क्षमता वो प्रक्रिया है जहां हमे पूरी कुशलता देखानी होगी। पूरी प्रक्रिया को कई बार दोहराया गया है। इन सभी चरणों में आवश्यक प्रक्रिया को नियंत्रित करने और उचित लैंडिंग करने की कोशिश के लिए कई एल्गोरिदम लगाए गए हैं। अगर 23 अगस्त को लैंडर चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करता है तो ये भारत की बड़ी कामयाबी होगी।

मुलाकात

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन रामनाथपुरम से रामेश्वरम के रास्ते में, अक्कलमदाम गुरुवार को मछुआरे परिवारों से मिले।

चारा घोटाला: लालू की जमानत रद्द करने के मामले में 25 को सुनवाई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय डोरंडा कोषागार मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव को दी गई जमानत को रद्द करने के अनुरोध संबंधी सीबीआई की याचिका पर सुनवाई करने के लिए शुक्रवार को सहमत हो गया। चारा घोटाले के तहत डोरंडा कोषागार से 139 करोड़ रुपए से अधिक के गबन मामले में दोषी करार दिए गए लालू प्रसाद यादव को रांची में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने पिछले साल 21 फरवरी को पांच वर्ष के सश्रम कारावास और 60 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई थी।

मणिपुर में फिर हुई हिंसा, तीन लोगों के शव मिले

इंफाल/भाषा। मणिपुर में हिंसा की ताजा घटना में शुक्रवार को उखरूल जिले के कुकी थोवाई गांव में भारी गोलीबारी के बाद तीन लोगों के क्षत-विक्षत शव मिले। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा के हालिया दौर में तांगखुल नगाओं के प्रभुत्व वाले उखरूल जिले में पहली बार हमला हुआ है। उन्होंने बताया कि ताजा हिंसा लिटान पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव में हुई, जहां सुबह-सुबह भारी गोलीबारी की आवाज सुनाई दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आसपास के गांवों और जंगलों की गहन तलाशी ली और 24 वर्ष से 35 वर्ष की उम्र के तीन लोगों के शव बरामद किए। अधिकारियों के मुताबिक, तीनों शवों पर धारदार चाकू से हमले के निशान हैं तथा उनके हाथ-पैर भी कटे हुए हैं। पूर्वोत्तर राज्य में बहुसंख्यक मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' निकाले जाने के दौरान तीन मई को हिंसा भड़की थी। तब से राज्य में 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

पाकिस्तान: हमलों में शामिल दो मुख्य संदिग्ध गिरफ्तार

लाहौर/भाषा। पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने कहा है कि पुलिस ने ईशनिंदा के आरोप में 21 गिरजाघरों और ईसाई समुदाय के लगभग तीन दर्जन घरों पर हमलों में शामिल दो प्रमुख संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है। नकवी ने पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिरीक्षक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दोनों ने प्रमुख संदिग्धों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पंजाब की प्रांतीय राजधानी लाहौर से 130 किलोमीटर दूर फैसलाबाद जिले के जरांवला शहर में ईशनिंदा के आरोप में 21 गिरजाघरों में आगजनी की थी।

चीनी नागरिक ने 1200 भारतीयों से लूटे 1400 करोड़, 'श्वेत पत्र' लाया जाए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को दावा किया कि चीन के एक नागरिक ने गुजरात में नौ दिनों के भीतर 1200 भारतीय नागरिकों से 1400 करोड़ रुपए की लूट की। पार्टी ने मांग की कि सरकार को 'श्वेत पत्र' के जरिये इस पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी पूछा कि चीन के 'घोटालेबाजों' के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और गंभीर कपट अन्वेषण कार्यालय (एसएफआईओ) का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया?

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, एक चीनी व्यक्ति ने गुजरात में केवल नौ दिनों में 1200 लोगों से 1400 करोड़ रुपए की भारी ठगी की और देश से भाग गया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या गृह मंत्री अमित शाह उसे रोक नहीं सके। कुछ खबरों से यह भी पता चलता है कि इस 'दानी डेटा ऐप' घोटाले ने लोगों को 4,600 करोड़ रुपए का भारी चूना लगाया होगा।

खेड़ा ने दावा किया कि भाजपा शासित उत्तर प्रदेश में पुलिस ने इस ऐप का प्रचार प्रसार किया।

कांग्रेस नेता ने कहा, वू उयानबे नामक एक चीनी तकनीकी विशेषज्ञ 2020-22 में भारत में रहा, उसने एक नकली फुटबॉल सट्टेबाजी ऐप बनाया और भारत से भागने से पहले गुजरात के आम लोगों से करोड़ों ठग लिए। ज्यादातर पीड़ित गुजरात के बनासकांठा और पाटन और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों से हैं। उन्होंने कहा कि ऐप से जुड़े घोटाले पर 'श्वेत पत्र' लाना चाहिए।

खेड़ा ने आरोप लगाया, हाल के दिनों में महात्मा गांधी और सरदार पटेल की धरती गुजरात सट्टेबाजी घोटालों और पोंजी योजनाओं का केंद्र बन रही है, लेकिन 'डबल इंजन' सरकार ने इन योजनाओं के शिकार हुए गुजरातियों की दुर्दशा के प्रति दुखद 'डबल उदासीनता' प्रदर्शित की है।

यासीन मलिक की पत्नी पाकिस्तान में कार्यवाहक प्रधानमंत्री की विशेष सलाहकार नियुक्त

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने भारत में जेल में बंद कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक की पत्नी मुशाल हुसैन मलिक को देश के नवनियुक्त कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ की विशेष सलाहकार नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा राष्ट्रपति भवन ऐवान-ए-सद्र में 19 सदस्यीय कार्यवाहक मंत्रिमंडल को शपथ दिलाने के बाद बृहस्पतिवार देर रात को जारी की गई प्रधानमंत्री के पांच विशेष

सलाहकारों (एसएपीएम) की सूची में मुशाल हुसैन मलिक का नाम भी शामिल था।

मुशाल एक पाकिस्तानी नागरिक हैं जिन्होंने मलिक से विवाह किया है। उन्हें मानवाधिकार और महिला सशक्तिकरण के लिए, कार्यवाहक प्रधानमंत्री काकड़ का विशेष सलाहकार नियुक्त किया गया है।

एक विशेष सलाहकार का दर्जा एक कनिष्ठ मंत्री से कम होता है, लेकिन वह प्रमुख प्रासंगिक मुद्दों पर प्रधानमंत्री को मदद प्रदान करता है।

अन्य चार विशेष सलाहकारों में जवाद सोहराब मलिक को विदेशी पाकिस्तानियों के लिए एसएपीएम नियुक्त किया गया है, वाइस एडमिरल (सेवानिवृत्त) इफ्तिखार राव को समुद्री मामलों पर सलाहकार, टीवी एंकर और लेखक वसीह शाह को पर्यटन पर और सैयदा आरिफा जहरा को संघीय शिक्षा और पेशेवर प्रशिक्षण पर सलाहकार नियुक्त किया गया है।

जम्मू एंड कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन ने 2009 में रावलपिंडी में पाकिस्तानी कलाकार मुशाल से शादी की थी। दोनों की मुलाकात तब हुई जब यासीन 2005 में पाकिस्तान के दौरे पर था।

यासीन मलिक की पत्नी की नियुक्ति बताती है कि आतंकवाद को पनाह दे रहा है पाक : तरुण चुघ

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा नेता तरुण चुघ ने शुक्रवार को जेल में बंद कश्मीरी अलगाववादी यासीन मलिक की पत्नी मुशाल हुसैन मलिक की पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री के विशेष सलाहकार के रूप में नियुक्ति की आलोचना करते हुए कहा कि इससे भारत का यह आरोप सही साबित होता है कि देश (पाकिस्तान) भारत पर हमला करने वाले आतंकवादियों को पनाह देता है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू-कश्मीर के प्रभारी तरुण चुघ ने एक बयान में कहा, मुशाल हुसैन मलिक की नियुक्ति भारत के इस दावे का समर्थन करती है कि पाकिस्तान आतंकवाद और आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा भारत में विध्वंसक गतिविधियों में शामिल मोस्ट वांटेड आतंकवादियों को शरण दी है।

मागड़ी रोड जैन मंदिर पर जन्मवांचन से निर्वाण तक का प्रसंग वांचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियमंत्रान्जनाश्रीजी की निश्रा में प्रीतिसुधाश्रीजी ने पर्युषण महापर्व की आराधना के छठे दिन प्रियमंत्रांजनाश्रीजी की निश्रा में प्रभु महावीर के जन्म से लेकर निर्वाण तक का वाचन किया गया। परमात्मा के जन्म के पश्चात मेरु पर्वत पर इंद्र महाराजा के साथ करोड़ों देव देवियों ने परमात्मा का अभिषेक किया। प्रवचन में पाठशाला गमन, का वाचन किया गया। साध्वीश्री ने परमात्मा द्वारा सहन किए गए विभिन्न उपसर्गों के बारे में बताया। प्रभु ने अनेक जीवो को प्रतिबोधित किया। कार्तिक कृष्णा अमावस्या को प्रभु का निर्वाण हुआ। बाद में पार्श्वनाथ प्रभु का चरित्र का भी वाचन हुआ जिसमें प्रभु के 10 भव का वर्णन किया गया। नेमिनाथ परमात्मा के चरित्र में भी प्रभु का कृष्ण महाराज से संवाद, विवाह के लिए जाना, पशुओं की पुकार सुनकर वापस लौटना और दीक्षा लेने जाना आदि का वर्णन किया गया।

सीबीआई ने 15 लाख की रिश्वत मांग रहे सीजीएसटी अधिकारी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। सीबीआई ने चीन स्थित एक कंपनी से संबंधित कर मुद्दों के निस्तारण के लिए 15 लाख रुपए की रिश्वत मांगने के आरोप में मुंबई में एक सीजीएसटी अधिकारी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोप है कि केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) अधीक्षक हेमंत कुमार ने चीन के गुआंगजो स्थित वेलफुल इंटर-ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित मुद्दों को निपटाने के लिए एक कर सलाहकार से 30 लाख रुपए की मांग की थी।

अधिकारियों ने कहा कि कंपनी ने रिश्वत देने से इनकार कर दिया था और मध्यस्थ को मामले की जानकारी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को देने के लिए कहा था। एजेंसी ने आरोप का सत्यापन किया। सत्यापन के दौरान कर सलाहकार को कुमार के साथ बातचीत करने के लिए कहा गया था। उन्होंने बताया कि मुंबई के वडाला रेलवे स्टेशन पर एक बैठक हुई जहां कुमार ने मांग को कथित तौर पर घटाकर 15 लाख रुपए कर दिया। कर सलाहकार ने इस बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपों की पुष्टि होने के बाद, सीबीआई ने जाल बिछाया, जहां कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से भुगतान के पांच लाख रुपए बरामद हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने जी20 देशों से जनता की भलाई के लिए नवाचार का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

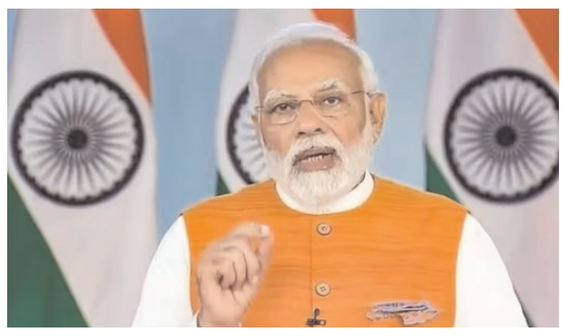

गांधीनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जी20 देशों से प्रौद्योगिकी की समान उपलब्धता की सुविधा देने का आग्रह किया और उनसे जनता की भलाई के लिए नवाचार को सभी के वास्ते सुलभ करने की भी अपील की। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में जी20 स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक को वीडियो लिंक के जरिए संबोधित करते हुए उन्होंने सभी से अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति को रोकने, उसके लिए तैयारी करने और प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

मोदी ने कहा, डिजिटल समाधान और नवाचार हमारे प्रयासों को न्यायसंगत व समावेशी बनाने के उपयोगी साधन हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, वैश्विक स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल विभिन्न डिजिटल स्वास्थ्य पहलों को एक साझा मंच पर लाएगी। आइए अपने नवाचारों को जनता की भलाई के लिए खोलें। आइए हम वित्त पोषण (फंडिंग) के दोहराव से बचें। उन्होंने कहा, आइए हम प्रौद्योगिकी की समान उपलब्धता को सुविधाजनक बनाएं। यह पहल वैश्विक दक्षिण के देशों को स्वास्थ्य सेवा वितरण में अंतर को कम करने की अनुमति देगी। यह हमें सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करने के हमारे लक्ष्य के एक कदम और करीब ले जाएगा। उन्होंने जी20 सदस्यों को बताया कि भारत लोगों की भागीदारी की मदद से वैश्विक समय सीमा से पहले ही क्षय रोग (टीबी) को खत्म कर देगा।

मोदी ने कहा, हमने देश के लोगों से टीबी उन्मूलन के लिए नि-क्षय मित्र बनने का आह्वान किया है। इसके तहत लगभग 10 लाख मरीजों को नागरिकों ने गोद लिया है। अब हम 2030 के वैश्विक लक्ष्य से काफी पहले टीबी उन्मूलन हासिल करने की राह पर हैं।

उन्होंने कहा, हमें अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति (जैसे कि कोविड-19) को रोकने, उसके लिए तैयारी करने और प्रतिक्रिया देने के वास्ते तैयार रहना चाहिए।

जीवन में हमेशा भगवान का धन्यवाद करना सीखो : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि सबसे ज्यादा भला भगवान चाहते है, उतना आप खुद नहीं चाहते। आपका काम नहीं करके भी वो आपका भला ही करते है।

हमारे भले के लिए हमें भगवान का धन्यवाद देना चाहिए। आपकी ज़िन्दगी में जो भी होता है आपके जीवन में जो भी होता है वो किसी कारण से होता है। और ये भगवान कहते हैं कि जो भी हो रहा है ये मत सोचो कि क्यों हो रहा है? हमें समस्या से नहीं घबराना चाहिए अपितु समस्या को कहना चाहिए कि मेरे साथ भगवान है और भगवान समस्या से बहुत बड़े होते है। हम समस्या बनाते है जबकि भगवान समस्या का समाधान बताते हैं।

मात्र भाजपा ही तेलंगाना राज्य आंदोलन की आकांक्षाओं को साकार कर सकती है : केंद्रीय मंत्री रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जी किशन रेड्डी ने कहा कि राज्य में लागू की गई किसान कर्ज माफी मोटे तौर है अपर्याप्त

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सत्ताधारी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर राज्य के लोगों से किए गए वादों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि मात्र भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही तेलंगाना राज्य आंदोलन की आकांक्षाओं को साकार कर सकती है।

उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार को साढ़े चार साल बाद चुनाव से ठीक पहले किसान ऋण माफी की याद आती है। खम्मम में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि इससे बहुत से किसान साहूकारों से कर्ज लेने को मजबूर हुए जबकि कई अन्य किसान पिछले साढ़े चार सालों में दिवालिया हो गए।

तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष रेड्डी ने कहा कि राज्य में लागू की गई किसान कर्ज माफी मोटे तौर पर अपर्याप्त है। केंद्रीय मंत्री ने बीआरएस सरकार पर आरोप लगाया कि वह गरीबों से किए गए दो कमरे के घर के वादे की 'अनदेखी' कर रही है। उन्होंने ध्यान दिलाया कि केंद्र सरकार ने देशभर में चार करोड़ घर बनवाए हैं और केंद्रीय कैबिनेट ने हाल में दो करोड़ और घरों को बनवाने की अनुमति दी है। उन्होंने दावा कि केंद्र सरकार ने तेलंगाना को बैंक या केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के जरिये सात लाख करोड़ रुपए दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, वोट बैंक की राजनीति और मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव में दूरदर्शिता की कमी के कारण तेलंगाना एक कर्जदार राज्य बन गया। मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस और बीआरएस पहले भी केंद्र और राज्य में सत्ता की साझेदारी कर चुके हैं और एक बार फिर दोनों दल एक साथ आएंगे।

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के लिए घोषणापत्र समिति समेत चार समितियां गठित कीं

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रबंधन समिति व घोषणापत्र समिति समेत 4 समितियों का गठन किया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांगेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत चुनाव घोषणापत्र समिति, चुनाव प्रबंधन समिति, अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति और योजना एवं रणनीति समिति के गठन को स्वीकृति प्रदान की।

चुनाव घोषणापत्र समिति की अध्यक्षता प्रदेश के परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर करेंगे। मंत्री शिवकुमार डहरिया समेत 22 नेता घोषणापत्र समिति में सदस्य बनाए गए हैं। डहरिया की अध्यक्षता में चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल अग्रवाल इस समिति के संयोजक नियुक्त किए गए हैं और पांच अन्य नेताओं को बतौर सदस्य इसमें शामिल किया गया है। कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेता धनेंद्र साहू की अध्यक्षता में अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति का गठन किया है। सांसद ज्योत्सना महंत समेत आठ नेता इस समिति में सदस्य होंगे। छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू की अध्यक्षता में योजना एवं रणनीति समिति का गठन किया गया है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा के पहले प्राकृतिक गैस आधारित शवदाह गृह का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भुवनेश्वर में ओडिशा के पहले प्राकृतिक गैस आधारित शवदाह गृह का उद्घाटन किया।

भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड (गेल) द्वारा अपनी निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत शुरू की गई इस परियोजना का उद्देश्य वायु प्रदूषण को कम करना है। प्रधान ने भुवनेश्वर की सांसद अपराजिता सारंगी, गेल (इंडिया) लिमिटेड के निदेशक (मानव संसाधन) आयुष गुप्ता और अन्य की उपस्थिति में शवदाह गृह को शहर के लोगों को समर्पित किया।

सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के एक अधिकारी ने कहा, भुवनेश्वर के धरम विहार में प्राकृतिक गैस आधारित शवदाह गृह सतत विकास और पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं के प्रति गेल की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।

अधिकारी ने कहा, गेल भुवनेश्वर के अलुगाडी-एगिनिया और कटक के खाननगर में दो और अत्याधुनिक प्राकृतिक गैस आधारित शवदाह गृह स्थापित करेगा। उन्होंने बताया कि तीनों शवदाह गृहों के लिए अनुमानित बजट 16 करोड़ रुपए है। अधिकारी ने बताया कि यह परियोजना स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने के गेल के लक्ष्य के अनुरूप है, जिससे वायु की गुणवत्ता बढ़ेगी और कार्बन उत्सर्जन कम होगा।

नई फिल्म नीति के बाद जम्मू-कश्मीर में 300 से ज्यादा फिल्मों व धारावाहिकों की शूटिंग हुई

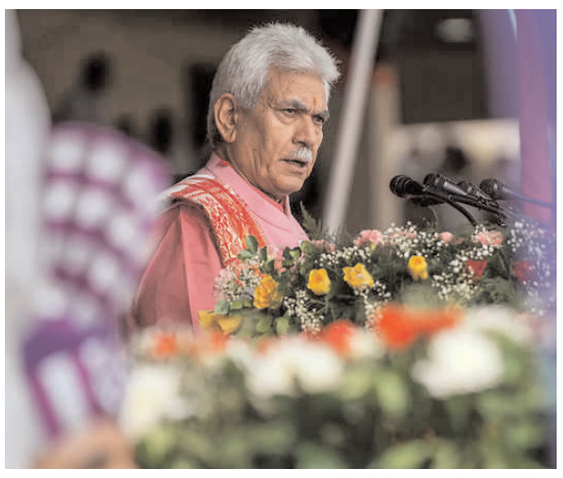

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि प्रशासन द्वारा नई फिल्म नीति शुरू करने के बाद यहां 300 से अधिक फिल्मों और धारावाहिकों की शूटिंग हुई है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा एक नई फिल्म नीति शुरू की गई थी। अब, हम देख रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर फिल्मों एवं धारावाहिकों की शूटिंग के लिए एक पसंदीदा स्थल के रूप में फिर से उभर रहा है।

उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में फिल्म संबंधी गतिविधियों से यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह युग लौट रहा है जब 80 के दशक तक हॉलीवुड या बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग यहां होती थी। यहां 300 से अधिक फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। आज, सब टीवी' ने यहां से धारावाहिक 'पश्मीना' की शूटिंग शुरू की है और मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

सिन्हा ने कहा, मुझे लगता है कि इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और अर्थव्यवस्था में सुधार होगा।

सब टीवी पर प्रसारित होने वाले धारावाहिक 'पश्मीना' का निर्देशन सिद्धार्थ मल्होत्रा ने किया है। आगामी टीवी धारावाहिक पश्मीना के पहले दिन की शूटिंग का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश फिल्मों की शूटिंग के लिए पसंदीदा स्थल के रूप में फिर से उभर रहा है।

सिन्हा ने संवाददाताओं से कहा, दो साल पहले, सभी हितधारकों के साथ चर्चा के बाद

छत्तीसगढ़ में आठ लाख रुपए का इनामी नक्सली गिरफ्तार

बलरामपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने आठ लाख रुपए के इनामी नक्सली को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस दल ने जिले के भागलपुर गांव से सरजून यादव उर्फ पूतना नामक नक्सली को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। नक्सली पर आठ लाख रुपए का इनाम है।

उन्होंने बताया कि पूतना 2018 और 2020 के बीच नक्सलियों की मिलिट्री कंपनी का सदस्य था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उसने 2020 में बलरामपुर जिले के सामरीपाठ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत जलजली गांव के जंगल में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन जवानों पर गोलीबारी में शामिल था। इस घटना में एक सुरक्षाकर्मी घायल हुआ था।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर कैग की रिपोर्ट को लेकर अधिकारियों के रवैये से नाखुश हुए गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के ऑडिट में द्वारका एक्सप्रेसवे की निर्माण लागत को लेकर उठाए गए सवालों पर अपने मंत्रालय के स्तर पर समुचित प्रतिक्रिया नहीं दिए जाने को लेकर नाराजगी जताई है। मंत्रालय के सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि गडकरी ने इस मामले में कुछ जिम्मेदार अधिकारियों के असंतुलित रवैये को लेकर असंतोष जताया है और उन्होंने कैग की तरफ से जताई गई आशंकाओं को समय पर दूर करने में नाकाम रहने की जवाबदेही तय करने का निर्देश भी दिया है।

कैग ने हाल ही में जारी अपनी ऑडिट रिपोर्ट में कहा है कि द्वारका एक्सप्रेसवे की प्रति किलोमीटर निर्माण लागत 18.2 करोड़ रुपए के शुरुआती अनुमान से 'बहुत अधिक' 251 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर हो गई। इसे लेकर विपक्षी दलों ने सरकार पर हमलावर तेवर अपनाए हुए हैं। विवाद बढ़ने के बाद सड़क परिवहन मंत्रालय ने अपने स्तर पर स्थिति साफ करने की कोशिश की है। लेकिन कैग की आशंकाओं को लेखा परीक्षण के समय ही दूर न किए जाने को लेकर गडकरी संबंधित अधिकारियों के रवैये से खुश नहीं हैं।

भारतमाला परियोजना के पहले चरण के तहत 5,000 लेन किलोमीटर का यह एक्सप्रेसवे 91,000 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जाने का प्रस्ताव 10 अगस्त, 2016 को स्वीकृत हुआ था। लेकिन इसकी निर्माण लागत बाद में काफी बढ़ गई। कैग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने द्वारका एक्सप्रेस के हरियाणा वाले हिस्से को 'एलिवेटेड' मार्ग के रूप में बनाने का फैसला किया जिससे इसकी निर्माण लागत बढ़कर 251 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर हो गई जबकि पुराना अनुमान 18.2 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर का ही था। निर्माण लागत में आए इस उछाल पर सवाल उठने के बाद मंत्रालय के उच्च पदस्थ सूत्र पहले ही कह चुके हैं कि कैग ने एक्सप्रेसवे के निर्माण की वास्तविक लागत को ध्यान में नहीं रखा है।

अंबादास दानवे का दावा मराठवाड़ा के सूखा संभावित क्षेत्रों को नहीं मिल रहा आवंटित पानी

औरंगाबाद/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) के नेता अंबादास दानवे ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि यदि मराठवाड़ा के सूखा संभावित क्षेत्रों को आवंटन के अनुरूप पानी नहीं मिला तो प्रदर्शन किया जाएगा।

महाराष्ट्र विधानपरिषद में विपक्ष के नेता दानवे ने दावा किया कि ऊपरी क्षेत्र में बांधों से पानी गैर-सिंचाई उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है जिसके फलस्वरूप मराठवाड़ा में नांदुर मद्यहेश्वर परियोजना को कम पानी मिल रहा है। उन्होंने यहां गोदावरी मराठवाड़ा सिंचाई विकास निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा, मैंने प्रशासनिक स्तर पर मराठवाड़ा में परियोजनाओं की स्थिति तथा वैतरण एवं मुकने परियोजनाओं को जोड़ने वाले (गोदावरी बेसिन के) पश्चिमी क्षेत्र से इस क्षेत्र में आने वाले पानी की समीक्षा की। केंद्र सरकार के कोष से मराठवाड़ा में चल रही योजनाओं की भी समीक्षा की गई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता ने कहा कि नांदुर मद्यहेश्वर परियोजना के ऊपरी क्षेत्र से गैर सिंचाई उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे पानी की मात्रा बढ़ रही है जबकि यह पानी औरंगाबाद के गंगापुर और वैजापुर तालुकों के किसानों के लिए है। उन्होंने कहा, हम सरकार के साथ यह मुद्दा उठाएंगे। यदि हमारी आवाज नहीं सुनी जाएगी तो हम सड़कों पर उतरेंगे।

भारी बारिश को राज्य आपदा घोषित करेगा हिमाचल प्रदेश : सुक्खू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश सरकार ने मूसलाधार बारिश के कारण हुए भारी नुकसान को राज्य आपदा घोषित करने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में शुक्रवार को अधिसूचना जारी की जाएगी। हिमाचल प्रदेश, राज्य में हुई तबाही को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया की भी प्रतीक्षा कर रहा है।

हिमाचल प्रदेश में रविवार से भारी बारिश हो रही है, जिसकी वजह से शिमला समेत कई जिलों में भूस्खलन हुआ है। मुख्यमंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि बचाव अभियान पूरे जोरों पर हैं और राज्य सरकार अपने संसाधनों के जरिए प्रभावित परिवारों, खासकर उन लोगों की मदद करने का प्रयास कर रही है जिनके घर अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन में क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सुक्खू ने कहा, केंद्रीय दलों ने नुकसान के आकलन के लिए प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया है और हमें केंद्र से समय पर मदद की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य को अनुमानत: 10,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

शिमला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजीव कुमार गांधी ने कहा कि समर हिल इलाके में एक शिव मंदिर के मलबे से एक और शव बरामद होने के साथ ही बारिश से प्रभावित हिमाचल प्रदेश में मरने वालों की संख्या 75 हो गई है। इनमें से 22 लोगों की मौत शिमला में समर हिल में स्थित शिव मंदिर, फागली और कृष्णानगर में हुए भूस्खलन में हुई। छह लोगों के अब भी मंदिर के मलबे में दबे होने की आशंका है।

अमेठी से चुनाव लड़ेंगे राहुल गांधी : उप्र कांग्रेस अध्यक्ष राय

वाराणसी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी 2024 का आम चुनाव राज्य के अमेठी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से लड़ेंगे।

प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद अजय राय पहली बार अपने गृह वाराणसी पहुंचे, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों एवं फूल-माला के साथ उनका स्वागत किया।

संवादाताओं के यह पूछे जाने पर कि क्या 2024 में राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे, राय ने कहा, राहुल निश्चित रूप से अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, अमेठी के लोग यहां उपस्थित हैं।

प्रियंका गांधी वाद्रा के बारे में प्रदेश अध्यक्ष ने जोर देकर कहा, वह जहां से भी चुनाव लड़ेंगी, चाहे बनारस से, यहां का एक-एक कार्यकर्ता उनके लिए जान लड़ा देगा। हम उनका पूरा समर्थन करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ वाराणसी से दो बार (2014 एवं 2019 में) कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके राय को दलित नेता बृजलाल खाबरी की जगह तत्काल प्रभाव से उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मप्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने घोटाला शीट जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने शुक्रवार को एक घोटाला शीट जारी की जिसमें पिछले 18 वर्षों में प्रदेश में भाजपा सरकार के तहत कथित तौर पर हुए घोटालों की सूची दी गई है।

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख कमलनाथ ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जल्द ही 'घोटाले' के लिए गूगल पर खोजने से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की छवि सामने आएगी। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार ने अपने 18 साल के शासनकाल में घोटालों का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। सूची बहुत लंबी है और कांग्रेस ने घोटाला सूची में कुछ बड़े घोटालों को शामिल किया है। 50% कमीशन राज' ने राज्य को 'घोटाला राज्य' में बदल दिया है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि वह दिन दूर नहीं जब लोग गूगल पर 'घोटाला' खोजेंगे और शिवराज सिंह चौहान की तस्वीर दिखाई देगी। यह पूछे जाने पर कि उनकी सरकार ने 2018 और 2020 के बीच सत्ता में रहते हुए इनमें से किसी भी घोटाले की जांच क्यों नहीं की कमलनाथ ने कहा, मैं 2018 मॉडल नहीं हूं। अब मैं 2023 मॉडल हूं। उन्हें सत्ता में केवल 15 महीने मिले और इसमें भी 2019 के लोकसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता के कारण ढाई महीने निकल गए। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उस वक्त उनका ध्यान भ्रष्टाचार घोटालों की जांच की तुलना में मध्यप्रदेश को निवेश के स्थान के रूप में स्थापित करने पर अधिक था। कांग्रेस द्वारा प्रकाशित 'घोटाला शीट' में कुख्यात व्यापमं घोटाला (2,000 करोड़ रुपए), अवैध खनन (50,000 करोड़ रु.), ई-टेंडर घोटाला (3,000 करोड़ रुपए), आरटीओ घोटाला (25,000 करोड़ रुपए), शराब घोटाला (86,000 करोड़ रुपए), महाकाल लोक (100 करोड़ रु.) और बिजली घोटाला (94,000 करोड़ रुपए) सहित 254 घोटालों को सूचीबद्ध किया गया है।

श्रीलंकाई नौसेना की ओर से मछुआरों पर लगातार हमलों का मतलब मोदी सरकार कमजोर है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनाथपुरम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि श्रीलंकाई नौसेना की ओर से भारतीय मछुआरों पर लगातार हमले होने का मतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत केन्द्र सरकार 'कमजोर' है।

स्टालिन ने यहां मछुआरा कल्याण सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कच्चाथीवु द्वीप को वापस लिया जाना ही मछुआरों के मुद्दे का स्थाई समाधान है। यह द्वीप 1974 में आपसी समझौते के तहत श्रीलंका को सौंप दिया गया था। सत्तारूढ़ द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने यह भी कहा कि उनके पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम करुणानिधि ने एक रिपोर्ट उपलब्ध कराई थी कि कच्चाथीवु द्वीप भारत का है।

मुख्यमंत्री ने द्वीप का नियंत्रण किसी और को सौंपे जाने का जिक्र तब किया है जब कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने कहा था कि इंदिरा गांधी सरकार ने 1974 में श्रीलंका को कच्चाथीवु द्वीप दे दिया था। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि राज्य की वर्तमान द्रमुक सरकार ने उन्हें कई बार पत्र लिखकर द्वीप को वापस लेने का आग्रह किया है।

स्टालिन ने आरोप लगाया कि वर्तमान के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के शासन में मछुआरों पर श्रीलंका की ओर से हमले बढ़े हैं। स्टालिन की अध्यक्षता में रामनाथपुरम में आयोजित मछुआरा कल्याण सम्मेलन में श्रीलंकाई नौसेना की ओर से भारतीय मछुआरों पर हमले किए जाने और उनके उत्पीड़न की निंदा की गई।

इसरो ने जारी की चंद्रयान-3 लैंडर के कैमरे से ली गई तस्वीरें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान -3 लैंडर के मॉड्यूल (एलएम) से अलग होने के तुरंत बाद कैमरा -1 से ली गई तस्वीरें शुक्रवार को जारी की। इसरो ने आज यहां बताया कि कैमरा-1 से 15 और 17 अगस्त को ली गई दो तस्वीरें जारी गई हैं।

अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि 'चंद्र' (चंद्रमा) की 15 अगस्त को लैंडर पोजिशन डिटेक्शन कैमरा (एलपीडीसी) से तस्वीर खिंची गई थी। उन्होंने बताया कि गुरुवार को आगे बढ़ाने वाले मॉड्यूल से लैंडर मॉड्यूल के अलग होने के तुरंत बाद चंद्रयान -3 लैंडर इमेजर (एलआई) कैमरा -1 द्वारा चंद्रमा की तस्वीर खिंची गई थी।

इसरो ने 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र पर सॉफ्ट लैंडिंग से पहले लैंडर मॉड्यूल की गति धीमी कर निचली कक्षा में भेजने के लिए अभियान शुरु करने से कुछ समय पहले ली गई तस्वीरें जारी की हैं।

इसरो ने बताया कि 14 जुलाई को चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के ठीक 34 दिन बाद सफलतापूर्वक प्रोपल्शन मॉड्यूल और लैंडर मॉड्यूल कल अलग हो गए और अपनी-अपनी यात्रा पर निकल पड़े।

उन्होंने बताया कि चंद्रयान-3 में लैंडर मॉड्यूल, प्रोपल्शन मॉड्यूल और एक रोवर शामिल है। प्रोपल्शन मॉड्यूल का मुख्य कार्य लैंडर मॉड्यूल को लॉन्च वाहन को चंद्रमा की चारों ओर 100 किमी की कक्षा तक ले जाना है। इसरों के अनुसार लैंडर में एक निर्दिष्ट स्थल पर सॉफ्ट लैंडिंग करने और रोवर को तैनात करने की क्षमता है जो चंद्र सतह का इन-सीटू रासायनिक विश्लेषण करेगा।

लैंडर और रोवर दोनों के पास चंद्र सतह पर प्रयोग करने के लिए वैज्ञानिक पेलोड हैं। इसरो के वैज्ञानिकों के अनुसार 23 अगस्त को शाम 5.47 बजे चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग निर्धारित है।

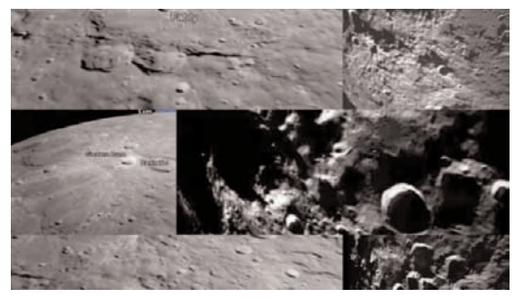

चांद को चूमने' के लिए लैंडर की गति 'डीबूस्ट'

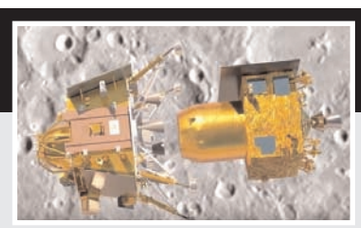

चेन्नई। चांद से कुछ ही दिनों की दूरी पर 'चक्कर' काट रहे चंद्रयान -3 के लैंडर विक्रम को 30 किमी के निकटतम बिंदु (पेरिल्यून) और 100 किमी के सबसे दूर बिंदु (अपोल्यून) वाली कक्षा में स्थापित करने के लिए शुक्रवार को इसकी गति को सफलतापूर्वक कम किया गया। अब चंद्रयान-3 चांद पर 'कदम' रखने से चंद दिन ही दूर है। इसरो की ओर से जारी बयान में कहा गया,सॉफ्ट लैंडिंग की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए आज शाम चार बजे लैंडर की गति को 'डीबूस्ट' किया गया। इसरो के वैज्ञानिकों का मानना है कि इस बार लैंडर विक्रम सफलतापूर्वक चांद की सतह पर उतर जायेगा।

गुरुवार को प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) से अलग हुए विक्रम लैंडर की कक्षा को आज घटाकर 113 किमी गुणा 157 किमी कर दिया गया। दूसरा डीबूस्टिंग ऑपरेशन 20 अगस्त की सुबह दो बजे किया जायेगा। इसरो ने कहा कि लैंडर का स्वास्थ्य सामान्य है। 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में इसरो ने कहा,चंद्रयान-3 मिशन: द लैंडर मॉड्यूल (एलएम) का स्वास्थ्य सामान्य है। लैंडर ने सफलतापूर्वक एक डीबूस्टिंग ऑपरेशन किया जिससे इसकी कक्षा कम होकर 113 किमी गुणा 157 किमी हो गयी। दूसरा डीबूस्टिंग ऑपरेशन लगभग 20 अगस्त, 2023 को सुबह दो बजे निर्धारित है। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने चंद्रयान -3 की लैंडिंग के संबंध में कहा था, लैंडिंग का सबसे जरूरी हिस्सा लैंडर गी गति को 30 किलोमीटर की ऊंचाई से अंतिम लैंडिंग तक लाने की प्रक्रिया है और व्हीकल को हॉरिजॉन्टल से वर्टिकल डायरेक्शन में पहुंचाने की क्षमता वो प्रक्रिया है जहां हमे पूरी कुशलता देखानी होगी। पूरी प्रक्रिया को कई बार दोहराया गया है। इन सभी चरणों में आवश्यक प्रक्रिया को नियंत्रित करने और उचित लैंडिंग करने की कोशिश के लिए कई एल्गोरिदम लगाए गए हैं। अगर 23 अगस्त को लैंडर चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करता है तो ये भारत की बड़ी कामयाबी होगी।

सहमति से संबंध-गर्भपात मामले में चिकित्सकों को नाबालिग का नाम उजागर करना जरूरी नहीं : उच्च न्यायालय

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा है कि सहमति से बनाये गये यौन संबंध के कारण गर्भवती हुई किसी नाबालिग के गर्भपात के लिए संपर्क करने पर चिकित्सक को उसका नाम उजागर करना आवश्यक नहीं है।

यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई के लिए गठित न्यायमूर्ति एन. आनंद वेंकटेश और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की विशेष पीठ ने हाल ही में यह आदेश दिया, जिसमें उच्चतम न्यायालय के समक्ष पूर्व में आये ऐसे ही एक मामले में उसके दिशानिर्देशों का उल्लेख किया। शीर्ष अदालत के आदेश का हवाला देते हुए पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि जब सहमति से यौन संबंध के कारण गर्भवती हुई कोई नाबालिग एक पंजीकृत चिकित्सा पेशेवर (आरएमपी) से गर्भपात के लिए संपर्क करती है तो वह चिकित्सक पॉक्सो की धारा 19(1) के तहत अपराध संबंधी सूचना संबंधित अधिकारियों को प्रदान करने के लिए बाध्य होता है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि नाबालिग और उसके माता-पिता सूचना प्रदान करने की अनिवार्यता से अवगत हो सकते हैं, लेकिन वे खुद को कानूनी प्रक्रिया में उलझाना नहीं चाहते हों।

शीर्ष अदालत ने कहा था कि नाबालिग और उनके माता-पिता को दो विकल्पों का सामना करना पड़ सकता है- या तो वे आरएमपी से संपर्क करें और पॉक्सो अधिनियम के तहत आपराधिक कार्यवाही में शामिल हों या फिर गर्भपात के लिए किसी अप्रशिक्षित चिकित्सक से संपर्क करें। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि अगर पॉक्सो अधिनियम की धारा 19(1) के तहत रिपोर्ट में नाबालिग के नाम का खुलासा करने पर जोर दिया जाता है, तो नाबालिगों द्वारा गर्भ का चिकित्सकीय समापन (एमटीपी) अधिनियम के तहत सुरक्षित गर्भपात के लिए आरएमपी के पास जाने की संभावना कम हो सकती है।

पुडुचेरी की उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री ने हर्षोल्लास के बीच वार्षिक उत्सव में रथ को खींचा

पुडुचेरी। पुडुचेरी की उपराज्यपाल तमिलसाई सौंदर्यराजन और मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने शुक्रवार को यहां भारी संख्या में जुटे अन्य श्रद्धालुओं के साथ विरामपट्टिनम गांव में शेंगाझुनीर अम्मल मंदिर के रथ को खींचा।

विधानसभा अध्यक्ष आर सेल्वम, विधायकों और विभिन्न संगठनों के लोगों ने नादस्वरम की ध्वनि और मंत्रोच्चार के बीच यह रथ खींचा। फ्रांसीसी शासकों द्वारा पुडुचेरी में एक परंपरा स्थापित की गई थी जिसके तहत प्रदेश के प्रमुख तथा निर्वाचित प्रतिनिधि आम लोगों के साथ साथ मिलकर इस रथोत्सव पर मंदिरों के रथों को खींचते हैं। विरामपट्टिनम मंदिर रथोत्सव तमिल महीने आदि या अवानी में मनाया जाना जाना एक महत्वपूर्ण उत्सव है। बाद में उपराज्यपाल एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने मंदिर के गर्भगृह में पूजा-अर्चना की तथा मंदिर की परिक्रमा की।

मुख्यमंत्री ने मंदिर में 'अन्नधनम' (खाद्य पैकेटों का वितरण) भी शुरू किया। पुडुचेरी सरकार ने इस उत्सव के अवसर पर प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों के लिए शुक्रवार को छुट्टी घोषित कर रखी है।

पुडुचेरी की उपराज्यपाल ने नीट को लेकर छात्रों को भ्रमित नहीं करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी की उपराज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने मेडिकल पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के आधार पर चयन और दाखिले को शुक्रवार को उचित ठहराया और राजनीतिक दलों से छात्रों को भ्रमित नहीं करने का आग्रह किया।

इंदिरा गांधी राजकीय सामान्य अस्पताल में मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, एक चिकित्सक के रूप में, मैं नीट परीक्षा के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा के लिए छात्रों के चयन के महत्व और अनिवार्यता को समझ सकती हूं। यह सही कदम है। मैं एक डॉक्टर के रूप में कह सकती हूं कि नीट बिल्कुल जरूरी है। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जब भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों का चयन सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से किया जाता है, तो चिकित्सा शिक्षा के लिए पात्रता परीक्षा के जरिए छात्रों का चयन करने में आपत्ति क्यों हो।

वैश्विक निवेश गंतव्य बन रहा है भारत : वी के सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय सड़क परिवहन, राजमार्ग एवं नागर विमानन राज्यमंत्री जनरल वी के सिंह ने शुक्रवार को कहा कि विकास और बुनियादी ढांचे पर केंद्र के ध्यान देने के कारण भारत पर विभिन्न देशों का भरोसा बढ़ा है, जो यहां निवेश करने के लिए आगे आए हैं। उन्होंने कहा कि भारत में जिस तरह का माहौल बनाया जा रहा है, उससे देश वैश्विक निवेश के लिए आदर्श गंतव्य बन गया है। उन्होंने युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने और जीवन में आगे बढ़ने की अपील की।

यहां वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वीआईटी) के 38वें दीक्षांत समारोह में उन्होंने कहा, देश के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 62 विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 162 देशों ने निवेश किया है। यह इन देशों के भारत पर बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने कहा, इसलिए, आपको इस अवसर का लाभ उठाने के लिए कठोर परिश्रम करना चाहिए। उन्होंने स्टार्टअप के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने में केंद्र के प्रयासों के बारे में भी बताया। गाजियाबाद क्षेत्र से सांसद सिंह ने कहा, सफलता का कोई छोटा रास्ता नहीं होता है। यह हमारी प्रतिबद्धता, कठोर परिश्रम और ज्ञान पर निर्भर करता है। दीक्षांत समारोह में 2023 सत्र से कुल 8,619 स्नातकों और स्नातकोत्तरों के अलावा 278 शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं।

अक्षय और संहित दो शॉट की बढ़त के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा और गुरुग्राम के संहित बिश्नोई शुक्रवार को यहां 'इंडिया सीमेंट्स' प्रो चैम्पियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर में दो शॉट की बढ़त के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पायदान पर पहुंच गये। अक्षय ने तीसरे दौर में तीन अंडर 69 का कार्ड खेला, जबकि संहित ने दो अंडर 70 का कार्ड खेला। इन दोनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर 12 अंडर 204 है। टूर्नामेंट के तीसरे दिन कोलकाता के दिव्यांशु बजाज ने सप्ताह का सबसे शानदार कार्ड खेला। उन्होंने आठ-अंडर 64 के स्कोर के दम पर तालिका में 24 स्थानों का सुधार किया और संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गये। हरेंद्र गुप्ता (69) भी 10 अंडर 206 के स्कोर के साथ इसी स्थान पर है। बांग्लादेश के जमाल हुसैन नौ अंडर 207 के साथ पांचवें स्थान पर रहे। पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर काबिज ओम प्रकाश चौहान छह अंडर 210 के स्कोर के साथ संयुक्त 14वें स्थान पर हैं।

शिवकुमार ने तमिलनाडु को कावेरी नदी का पानी छोड़े जाने का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी छोड़ने के फैसले का शुक्रवार को बचाव किया और इसे 'संतुलित कदम' बताया। उन्होंने साथ ही कहा कि राज्य सरकार ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) को पत्र लिखकर आदेश की समीक्षा करने का अनुरोध किया है।

कावेरी बेसिन में कम बारिश और पानी की कमी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सीडब्ल्यूएमए ने राज्य को अगले 15 दिन तक दैनिक आधार पर तमिलनाडु के लिए 10,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया है। जल संसाधन मंत्री शिवकुमार ने कहा, 'अदालत के आदेश हैं। हमारे किसानों के हितों की रक्षा करना मेरे लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मंड्या के विधायक (तमिलनाडु को) पानी छोड़े जाने का विरोध कर सकते हैं... साथ ही, हम तमिलनाडु को सब कुछ नहीं दे सकते, सरकार को संतुलन बनाना होगा।' उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, 'हमने कल प्राधिकरण को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वह तमिलनाडु को 15 दिन के लिए प्रतिदिन 10,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के अपने फैसले की समीक्षा करें, क्योंकि कम बारिश होने के कारण पानी की कमी है।' तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और कर्नाटक को खड़ी फसलों के लिए रोजाना कावेरी का 24,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की थी।

इसके बाद, शिवकुमार ने मंगलवार को कहा था कि कर्नाटक कावेरी नदी का 10 टीएमसीएफटी पानी पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के लिए जारी करेगा। उन्होंने कहा था कि मानसून में बारिश की कमी के कारण राज्य के पास पीने के पानी और कृषि जैसी जरूरतों को पूरा करने के लिए बांधों में पर्याप्त पानी नहीं है। तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी छोड़ने के कर्नाटक सरकार के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए, विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जद (एस) ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर राजनीति की खातिर और 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले अपने इंडिया' गठबंधन को बचाने के लिए राज्य के लोगों और उसके किसानों को 'धोखा' देने का आरोप लगाया था। तमिलनाडु की सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) विपक्षी गठबंधन (इंडिया) का प्रमुख घटक दल है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, शिवकुमार ने कहा, क्या मुझे ऐसी स्थिति के दौरान अतीत में भाजपा और जद (एस) सरकारों के दौरान छोड़े गये पानी की मात्रा के बारे में सूची देनी चाहिए ? मैं राजनीति नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, स्थिति के आधार पर हम निश्चित रूप से एक सर्वदलीय बैठक बुलाएंगे। हमने पहले ही महादयी, कृष्णा और कावेरी नदी जल विवादों पर एक बैठक बुलाने और विपक्ष के सुझाव मांगने की योजना बनाई है। जद (एस) नेता एच. डी. कुमारस्वामी ने बृहस्पतिवार को सरकार से कावेरी मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था।

हाथी के हमले से महिला की मौत

हासन। कर्नाटक में लगातार हो रहे हाथियों के हमलों से लोग परेशान है। इसी बीच शुक्रवार को राज्य के हसन जिले में एक जंगली हाथी ने महिला पर हमला बोल दिया। महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान कविता (37) के रूप में हुई है। जो वडुरु गांव में माता-पिता से मिलने आई थी। घटना तब हुई जब कविता अपने घर के पीछे खेत में गई थी। वहीं अचानक से आए हाथी ने उस पर हमला कर दिया।

सीआईएसएफ द्वारा वृहद पौधारोपण अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम में 'अपना भविष्य सुरक्षित करें, हरित होकर पेड़ लगाएं की नीति' के साथ बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम शुरु किया। शुक्रवार को वृक्षारोपण के दूसरे चरण में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ-एएसजी) के हवाईअड्डा सुरक्षा समूह और सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्नोलॉजिकल साइंसेज डीम्ड यूनिवर्सिटी (एसआईएमएटीएस) ने संयुक्त रूप से एक विशाल वृक्ष का आयोजन किया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के परिवार कल्याण संघ की ओर से संरक्षिका नाम से पौधारोपण कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर चेन्नई हवाई अड्डे के औद्योगिक सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारी केवीके श्रीराम (डीआईजी/सीआईएसओ), सविता आर्ट्स कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. कुनिथा, प्रोफेसर डॉ. जे. त्रिभुवन, सविता स्पोर्ट्स डिवीजन के डीन वी. वाल्विमाराजा और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के परिवार के सदस्यों, 287 सीआईएसएफ कर्मियों, 3,000 से अधिक छात्रों और विश्वविद्यालय कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking

क्षेत्रीय कार्यालय : तिरुप्पुर
पहली मंजिल, एवरेडी बिल्डिंग, धारापुरम रोड, तिरुप्पुर - 641604 फोन : 0421-2321111
फोन: 0421-2321111 ई-मेल : pnd.rotiruppurunionbankofindia.bank

करेंसी चेस्ट ब्रांच के लिए लीज(पट्टे)पर परिसर की जरूरत

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को करेंसी चेस्ट शाखा के बैंकिंग व्यवसाय के लिए ग्राउंड फ्लोर पर 4000 + - 10 % वर्ग फीट कार्पेट क्षेत्र के साथ एक उपयुक्त निर्मित वाणिज्यिक परिसर / निर्माणाधीन / खुले प्लॉट क्षेत्र की आवश्यकता है। परिसर का निर्माण या संशोधन हमारे बैंक/आरबीआई/बीआईएस विनिर्देशों के अनुसार किया जाना है, जिसमें तिरुप्पुर शहर की सीमा के भीतर मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए अच्छा फ्रंटेज और पर्याप्त पार्किंग सुविधा हो।

क्र. सं.	शाखा	कार्पेट एरिया की आवश्यकता	स्थान
1.	करेंसी चेस्ट ब्रांच	4000 वर्ग फीट (±10%)	तिरुप्पुर शहर की सीमाएं

स्वामित्व रखने वाले या मालिकों की ओर से बातचीत करने की शक्ति रखने वाले संभावित बोलीकर्ता 19-08-2023 से कार्यालय समय के दौरान उपर्युक्त पते से तकनीकी बोली/मूल्य बोली प्रारूप प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in (अथवा) ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल eprocure.gov.in से डाउनलोड करें और अपने तकनीकी बोली और मूल्य बोली प्रस्ताव अलग-अलग लिफाफे में ''तकनीकी बोली और मूल्य बोली'' लिखकर 04-09-2023, अपराह्न 3.00 बजे या उससे पहले यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, पहली मंजिल, एवरेडी बिल्डिंग, धारापुरम रोड, तिरुप्पुर - 641604 में जमा कराएं।

बोलियां 04-09-2023 को अपराह्न 3.30 बजे उपर्युक्त पते पर बोलीदाताओं/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएंगी। किसी भी दलाल या बिचौलिए पर विचार नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या सरकारी/अर्ध-सरकारी निकायों द्वारा लीज पर दी जाने वाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यालय परिसर के लिए किसी भी स्थिति में किसी भी अनधिकृत निर्माण पर विचार नहीं किया जाएगा।

बैंक बिना कोई कारण बताए, प्राप्त किसी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

नोट: निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित अन्य सभी नियम और शर्तें बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

दिनांक: 19-08-2023 क्षेत्रीय प्रमुख

राजस्थान की छत्तीसों कौम चाहती हैं कि फिर हमारी सरकार बने : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य की छत्तीसों कौम (हर वर्ग) चाहती हैं कि मौजूदा कांग्रेस सरकार सत्ता में वापसी करे। साथ ही गहलोत ने उम्मीद जताई कि सत्तारूढ़ कांग्रेस को फिर से जनता का आशीर्वाद मिलेगा। गहलोत ने जयपुर के पास मुंडिया रामसर गांव में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक-2023 के अंतर्गत आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का अवलोकन करने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा, राजस्थान में माहौल अच्छा बना हुआ है... इस बार में उम्मीद करता हूं कि फिर से जनता का आशीर्वाद मिलेगा और सरकार रिपीट होगी। मुझे लगता है और हमारे पास आम जनता का, गांवों का, गरीबों का, दलितों, पिछड़ों का, अल्पसंख्यकों और सभी का जो फीडबैक आ रहा है... छत्तीसों कौम चाहती हैं कि सरकार रिपीट हो।

यह मैं महसूस कर रहा हूं। उल्लेखनीय है कि राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

लोगों की मांगों के आधार पर योजनाओं की घोषणा करते की बात कहते हुए गहलोत ने कहा, अभी तक तो मैं कहता था कि आप मांगते-मांगते थक जाओगे और मैं देते-देते नहीं थकूंगा। लेकिन अब एक महीने बाद चुनाव होने हैं... 45 दिन बाद तो आचार संहिता लागू हो जाएगी तो हम लोग घोषणा कर नहीं पाएंगे। तो पहले ही मैं लोगों को आगाह कर रहा हूं कि खूब मांग लिया, मांगते रहो... डेढ महीना और आपके पास है पर अब मैं गारंटी देना शुरू करूंगा। अगर अगला बजट हमारी सरकार ने पेश किया तो हम गारंटी देते हैं कि आपकी सम्बद्ध मांग पूरी की जाएंगी।

गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केवल चुनाव में घूमते रहते हैं लेकिन मणिपुर में आग लगी हुई है उसकी, उन्हें परवाह नहीं है। साथ ही गहलोत ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि प्रधानमंत्री मोदी राज्य में चुनाव जीतने के लिए राजस्थान की तुलना मणिपुर से कर देंगे।

राजीविका से जुड़ी महिलाओं के लिए गहलोत ने की बड़ी घोषणाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजीविका जैसे कार्यक्रमों से महिलाओं का सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व कार्यकाल में अजमेर जिले से स्वयं सहायता समूहों की शुरूआत की गई। आज वह प्रयास इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में वृहत रूप में सबके सामने है। राजीविका से जुड़कर महिलाएं विभिन्न प्रकार के उद्यमों एवं नवाचारों में भाग ले रही है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्हें अपनी क्षमताओं एवं संविधान प्रदत्त अधिकारों की पहचान हुई है। सहकारिता की भावना से कार्य करते हुए राजीविका समूहों से जुड़ी महिलाएं आज प्रदेश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

गहलोत शुक्रवार को जयपुर के जेईसीसी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका परिषद (राजीविका) द्वारा आयोजित 'सखी सम्मेलन' को सम्बोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन में प्रदेश भर से राजीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हजारों महिलाओं ने हिस्सा लिया। साथ ही, बड़ी संख्या में महिलाएं वीसी के माध्यम से भी कार्यक्रम से जुड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में राजीविका के अंतर्गत 3.60 लाख समूहों का गठन कर लगभग 43 लाख महिलाओं को इनसे जोड़ा गया है। राज्य सरकार इन समूहों को 4774 करोड़ का ऋण उपलब्ध करवा रही है। यह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राज्य सरकार का एक अहम प्रयास है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बैंकों द्वारा दिये जाने वाले 381 करोड़ रुपये की ऋण राशि के चेक स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सौंपे। साथ ही, राजस्थान महिला निधि से दिये जाने वाले 63 करोड़ रुपए, आजीविका संवर्द्धन सहायता द्वारा दिए जाने वाले 160 करोड़ रुपए एवं जलग्रहण विकास कर्न्वजेंस सहायता द्वारा दिए जाने वाले 98 करोड़ रुपए की राशि के चेक भी राजीविका से जुड़ी महिलाओं को प्रदान किये। इस अवसर पर श्री गहलोत ने महिलाओं को स्कूटी की चाबी सौंपी एवं सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया। गहलोत ने कहा कि प्रदेश सरकार अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग को लाभान्वित कर रही है। राज्य में लगभग 1 करोड़ लोगों को न्यूनतम 1000 रुपये सामाजिक सुरक्षा पेंशन, निशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट, 500 रुपये में गैस सिलेण्डर जैसी योजनाओं से आमजन को राहत दी जा रही है। महिलाओं के लिए उड़ान योजना के अंतर्गत निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन, रोड़वेज बस किराये में 50 प्रतिशत छूट, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के अंतर्गत इंटरनेट युक्त निःशुल्क स्मार्टफोन, आरटीई के तहत 12वीं तक छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा, नई महिला नीति लागू करने, सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण, मकान के खरीद-बेचान में रजिस्ट्री महिला के नाम से होने पर शुल्क में छूट देने जैसे निर्णय लिए गए हैं। अनिवार्य एफआईआर की नीति से महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अत्याचारों में कमी आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2030 तक राजस्थान को को देश का अग्रणी राज्य बनाना हमारा ध्येय है। इसमें राजीविका से जुड़ी महिलाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी।

बारां में स्थानीय कांग्रेस नेता की मौत के बाद भीड़ ने बस में आग लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के बारां में पिछले महीने जख्मी हुए स्थानीय कांग्रेस नेता की मौत होने के बाद भीड़ ने एक बस को आग लगा दी और बम्बोरी गांव में गौघाट क्षेत्र पर एक सड़क को अवरुद्ध कर दिया। लोगों की मांग है कि कांग्रेस नेता की मौत के सिलसिले में बम्बोरी ग्राम पंचायत के सरपंच को गिरफ्तार किया जाए। कांग्रेस नेता की जयपुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान बुधवार को मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि दिनेश मीणा झारखंड का शव बुधवार देर रात उनके गांव झारखंड पहुंचने के बाद बड़ी संख्या में लोग गौघाट क्षेत्र में जमा होना शुरू हो गए। भीड़ में अधिकतर लोग मीणा समुदाय के थे। कथित रूप से 1,200-1,500 की भीड़ लाठियां और धारदार हथियार लहरा रही थी और भीड़ बृहस्पतिवार दोपहर को हिंसक हो गई और लोक परिवहन बस को आग लगा दी। भीड़ ने पथराव किया और पुलिस जीप समेत कुछ अन्य वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

बारां के पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने कहा कि बस खाली थी और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया है और पुलिस प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर रही है।

मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। दिनेश मीणा और लाखन नाम के एक अन्य व्यक्ति पर 24 जुलाई को बम्बोरी गांव के 15-20 लोगों ने कथित तौर पर लाठियों और धारदार हथियारों से हमला किया था। घटना के वक्त वे बाइक से घर जा रहे थे। हमले में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए और मीणा को कोटा और फिर जयपुर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

जयपुर के होटल में बंधक बनाकर दो नाबालिग लड़कियों के साथ बलात्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के एक होटल में दो नाबालिग लड़कियों को कथित रूप से बंधक बनाकर उनके साथ बलात्कार करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, वहीं दो नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बंधक बनायी गई लड़कियों में से एक भाग कर किसी तरह सदर थाना पहुंचने में कामयाब रही, वहीं दूसरी लड़की को पुलिस ने मुक्त कराया। दोनों किशोरियों की उम्र 17 और 14 साल है।

पुलिस ने बताया कि मामले में मुख्य आरोपी मोनू उर्फ मोइन (19) को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया जबकि दो अन्य नाबालिग आरोपियों को बृहस्पतिवार को हिरासत में लिया गया। उसने बताया कि आरोप है कि दोनों नाबालिग आरोपियों ने भी एक पीड़िता के साथ बलात्कार किया है। पुलिस के अनुसार, मोनू मदद करने के नाम पर कथित रूप से दोनों लड़कियों को होटल के कमरे में ले गया और उनके साथ बलात्कार किया। कोतवाली क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त नरेन्द्र कुमार ने बताया कि 17 साल की पीड़िता ने सोमवार को अपने परिवार के साथ पहुंचकर तहरीर दी जिसके आधार पर सदर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

राजस्थान में भाजपा का विशेष सदस्यता अभियान 28 तक चलेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान में अपना विशेष सदस्यता अभियान शुरू किया जिसके तहत उसने प्रत्येक बूथ पर 100 नये मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। जयपुर के वैशालीनगर से इस अभयिान की शुरुआत हुई। पार्टी प्रवक्ता के अनुसार, पार्टी के प्रदेश चुनाव प्रभारी व केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस अवसर पर कहा कि बूथ स्तर के प्रत्येक कार्यकर्ता को जुटकर इस सदस्यता अभियान को सफल बनाना है और प्रत्येक बूथ पर कम से कम 100 नए नवमतदाताओं को पार्टी से जोड़ना है।

जोशी ने कहा कि मुख्य रूप से नये मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता और पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को भाजपा की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यों और देश में विकास के नये आयामों के बारे में विस्तार से जानकारी देना आवश्यक है।

बच्चों पर अच्छी शिक्षा के लिए दबाव नहीं बनाएं अभिभावक : कोविंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सालासर। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को कहा कि अभिभावकों को अपने सपनों को साकार करने के लिए बच्चों पर अच्छी शिक्षा के लिए दबाव नहीं बनाया जन चाहिए। कोविंद ने यहां त्रिवेणी देवी धनुका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मां बाप अपना सपना अपने बच्चों पर थोपते है जिससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि पिता अपने सपने अपने बच्चों में देखते हैं जिससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और आत्महत्या तक की घटनाएं होती है।

उन्होंने कहा , आधुनिक शिक्षा में इससे बचने की जरुरत है। बच्चे अपना सपना देखें। अभिभावक अपना सपना न थोपें। शिक्षा के लिए बच्चों को फ्री हैंड दिया जाना चाहिए जिससे वे अच्छे इंसान बने। कोविंद ने तमिलनाडु की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक शिक्षण संस्थान का टॉप छात्र नीट की परीक्षा में फेल हो गया। दूसरी बार भी फेल होने पर उसने आत्महत्या कर ली। इसके कुछ दिन बाद उसके पिता ने भी आत्महत्या कर ली।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य अच्छे इंसान और नागरिक बनाना होता है। इससे लोगों का जीवन सुधार जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नए नए प्रयोग हो रहे हैं जिससे बेहतर मानव संसाधन तैयार होंगे। बेहतर शिक्षा से अच्छे अध्यापक , डॉक्टर , अधिकारी और अच्छे पति पत्नी भी बनते हैं। इससे अच्छे राजनेता भी बनते हैं।

उन्होंने अपने कार्यकाल की चर्चा करते हुए कहा कि विदेशों में भारत मान्यता और ख्याति बढ़ी है। उन्होंने 33 देशों की यात्रा की थी और इस दौरान उन्होंने ऐसा महसूस किया। उन्होंने कहा कि कुछ देशों के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री उनके साथ कार में जाने के लिए संवाद देते थे। उन्होंने कहा कि हाल ही में आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री को बॉस बताया जबकि दोनो एक दूसरे के समकक्ष थे।

उन्होंने कहा कि भारत एक महाशक्ति बन चुका है। कोरोना संकट के दौरान कुछ लोग इसका टीका आयात करने को बात करते थे जबकि देश ने इसका निर्माण करने का निर्णय किया। एक साल के अंदर टीका विकसित कर लिया गया और टीकाकरण शुरु भी हो गया। इसके साथ ही विदेशों को भी यह टीका दिया गया। बड़प्पन की पहचान उदारता से होती है। उन्होंने कहा कि रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान वहां फंसे 23 हजार मेडिकल के छात्रों को 24 घंटे के लिए युद्ध विराम कर देश में लाया गया।

प्रदर्शन

जयपुर में शुक्रवार को शहर में बढ़ते अपराध और दुष्कर्म की घटनाओं के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

पुलिस कांस्टेबल पर महिला से दुष्कर्म का आरोप, निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में एक विवाहित महिला से दुष्कर्म के आरोप में पुलिस कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है और इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में एक थानाधिकारी को भी निलंबित किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बांदीकुई के वृत्ताधिकारी ईश्वर सिंह ने बताया कि यह मामला बृहस्पतिवार को वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में आया जिसके बाद कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि आरोपी कांस्टेबल महेश कुमार गुर्जर मंगलवार की रात पीड़िता के घर गया था। उन्होंने बताया कि उस समय महिला अपने घर में अकेली थी। सिंह ने बताया कि गुर्जर ने महिला के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया और जब पीड़िता ने शोर मचाया तो पड़ोसियों ने वहां पहुंचकर कांस्टेबल को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि इसी बीच, पीड़िता के परिवार के सदस्य भी आ गए और उन्होंने गुर्जर की पिटाई की। उन्होंने बताया कि उन्होंने कांस्टेबल को चारपाई से बांध दिया।

सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर बसवा थाने से पुलिस का एक दल मौके पर पहुंचा, जिसने गुर्जर को चिकित्सकीय जांच के बाद छोड़ दिया। आरोपी किसी और थाने में तैनात था। उन्होंने बताया कि पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ बृहस्पतिवार को प्राथमिकी दर्ज कराई जिसके बाद कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया। मंगलवार रात की इस घटना के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सूचित नहीं करने के कारण बसवा पुलिस थाने के थानाधिकारी को भी निलंबित कर दिया गया। आरोपी कांस्टेबल फरार है और उसकी तलाश की जा रही है।

माइनिंग सेक्टर है आधुनिक सभ्यता की रीढ़ : गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस व पेट्रोलियम श्रीमती वीनू गुप्ता ने कहा है कि माइनिंग सेक्टर की भूमिका और अहमियत को इसी से समझा जा सकता है कि आज टेक्नोलोजिकल एडवांसमेंट, एनर्जी सिक्योरिटी और ससटेनेबल इकोनोमिक ग्रोथ की माइनिंग सेक्टर के बिना कल्पना ही नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि सही मायने में आधुनिक सभ्यता की बेकबोन है माइनिंग सेक्टर।

एसीएस माइंस श्रीमती वीनू गुप्ता शुक्रवार को होटल मैरियट में माइनिंग, ऑयल और गैस कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि एक और जहां राजस्थान में बहुमूल्य मेजर व माइनर मिनरल्स के डिपोजिटस हैं वहीं लाईम स्टोन के विपुल भण्डार के कारण राजस्थान देश का सीमेंट हब बन चुका है।

रिकॉर्ड राजस्व अर्जन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि गत वित्तीय वर्ष में 7000 करोड़ का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया गया है व इस साल नया रिकॉर्ड बनाया जाएगा। श्रीमती गुप्ता ने चुनौतियों की चर्चा करते हुए कहा कि सेक्टर के सामने पर्यावरण संतुलन और स्वास्थ्य सेक्टर की चुनौतियां है। माइनिंग की आधुनिक तकनीक के उपयोग और सघन पौधारोपण से इससे निपटा जा सकता है वहीं सिलिकोसिस की बीमारी को लेकर सरकार गंभीर है।

जम्मू कश्मीर यूटी की माइंस सचिव रश्मी सिंह ने कहा कि लिथियम की खोज ने जेके को नई पहचान दी है। जेके में श्रेष्ठ गुणवत्ता के सफायर की किश्तवाड में डिपोजिट को देखते हुए एमईसीएल के साथ करार किया गया है। उन्होंने बताया कि जेके में भी मिनरल्स के भण्डार है पर अभी काफी काम किया जाना है। निदेशक माइंस श्री संदेश नायक ने बताया कि कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार माइनिंग सेक्टर उपलब्ध करा रहा है। राजस्थान मिनरल्स की दृष्टि से संपन्न प्रदेश है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में खनिज खोज व खनन को गति देने का परिणाम है कि इस साल 61 मेजर मिनरल्स ब्लॉक की ई-नीलामी की तैयारी के साथ नीलामी प्रक्रिया जारी है। 130 माइनर मिनरल ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया जारी है।

विशेष सत्र को संबोधित करते हुए एसीएस पीएचईडी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने एआई चेट पर विस्तार से चर्चा करते हुए भावी संभावनाओं की ओर इशारा किया। उन्होंने एआई के दौर में मानवीय संवेदनाओं की चर्चा की। उन्होंने सोशियल मीडिया की ताकत और तकनीक में तेजी से बदलाव आ रहा है और उसे हमें आत्मसात करना होगा।

लाइब्रेरीज 'नॉलेज मॉल' के रूप में विकसित हो : जैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 18 अगस्त। लाइब्रेरीज को तकनीक के बदलते दौर में नई जनेरशन की आवश्यकता और सुविधाओं का ध्यान रखते हुए नवाचार करने होंगे बड़े रीडिंग कॉर्नर के साथ ऑडियो-वीडियो रूम जैसे अध्ययन के आधुनिक तौर तरीको को अपनाने से पाठकों की संख्या में वृद्धि होगी। हमें परम्परागत ढंग से पुस्तकालयों के संचालन के बजाय उनको 'नॉलेज मॉल' बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यह बात स्कूल शिक्षा तथा भाषा एवं पुस्तकालय विभाग के शासन सचिव श्री नवीन जैन ने शुक्रवार को जयपुर में 'तकनीकी युग में पुस्तकालयों की प्रासंगिकता एवं चुनौतियां' विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहीं। जयपुर के राधाकृष्णन राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय में पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस. आर. रंगनाथन की जयंती के मौके पर राजस्थानी मेडिकल पुस्तकालय संघ (आरएमएलए) के सहयोग से आयोजित इस संगोष्ठी में उन्होंने कहा कि रीडर्स की पढ़ने की जिज्ञासा और रूचि की पूर्ति के लिए लाईब्रेरीज की दुनियां में आज ऑडियो बुक से लेकर किंडल प्लेटफार्म और अब 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस' (आई) का दौर आ गया है। पुस्तकालयों को नए जमाने की ऐसी तकनीक और बदलावों को परम्परागत पद्धति के साथ समाहित करने की आवश्यकता है, तकनीक से टकराव की प्रवृति को त्यागना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाषा एवं पुस्तकालय विभाग के तहत संचालित राजकीय सार्वजनिक मंडल पुस्तकालयों में भी नई तकनीक और नवाचारों को अपनाते हुए उन्हें और अधिक 'रीडर्स फ्रेंडली' बनाने की दिशा में पहल और प्रयास किए जा रहे हैं।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा में पुस्तकालय एवं सूचना विभाग के प्रोफेसर दिनेश गुप्ता ने गोष्ठी के शुरुआती सत्र में अपने विशेष उद्बोधन में कहा कि डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के युग में लाईब्रेरीज को 'लाइफ लॉन्ग लनर्स' की जरूरतों को पूरा करने की सोच के साथ कार्य करना होगा। सत्र की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय में दक्षिण एशिया अध्ययन केन्द्र के पूर्व निदेशक प्रोफेसर करोरी सिंह ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में रिसर्च और इनोवेशन पर बल देते हुए कहा कि लाइब्रेरीज नए बदलावों को अपनाने के लिए तैयार करना होगा।

नोएडा में कांस्टेबल के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास, फिर लोहे की छड़ से हमला हुआ

नोएडा (उप्र)/भाषा। गौतम बुद्ध नगर के बीटा-दो थाना क्षेत्र में पुलिस में तैनात एक कांस्टेबल के ऊपर ट्रैक्टर चालक ने ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया, कांस्टेबल ने किसी तरह से ट्रैक्टर के बोनट पर चढ़कर अपनी जान बचाई। ट्रैक्टर चालक ने लोहे की छड़ से कांस्टेबल के ऊपर जानलेवा हमला भी किया और मौके से भाग गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बीटा-दो के थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना बृहस्पतिवार की है और उसी रात यातायात पुलिस में तैनात कांस्टेबल गोविंद सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

थाना प्रभारी ने बताया कि सिंह ने अपनी शिकायत में कहा कि शाम करीब छह बजे जब वह पी-3 गोल चक्कर पर दो अन्य सहयोगियों विनय तोमर तथा तिमिर चंद्र शर्मा के साथ यातायात ड्यूटी पर तैनात थे, तभी कासना की तरफ से एक ट्रैक्टर चालक वहां से गुजरा। ट्रैक्टर चालक तेजी और लापरवाही से वाहन चला रहा था और जब उन्होंने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने ट्रैक्टर को एकदम से मोड़कर उनके ऊपर चढ़ाने की कोशिश की। मिश्रा ने बताया कि इसके बाद सिंह ट्रैक्टर के बंपर पर चढ़ गए और काफी दूर जाकर ट्रैक्टर चालक ने वाहन को रोका। ट्रैक्टर चालक ने उतरते ही लोहे की छड़ से सिंह पर जानलेवा हमला बोल दिया। इस घटना में उन्हें गंभीर चोट आई। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस के अन्य कर्मी घटनास्थल पहुंचे, लेकिन तब तक ट्रैक्टर चालक मौके से भाग निकला था।

कुछ पड़ोसी देशों ने लद्दाख में जी20 रोकने का प्रयास किया : ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि कुछ पड़ोसी देशों ने भारत को लद्दाख में जी20 बैठक की मेजबानी करने से रोकने की कोशिश की, लेकिन यह एक बेहद सफल आयोजन साबित हुआ, जिसमें दुनिया भर से युवाओं की भागीदारी देखी गई।

खेल एवं युवा मामलों के मंत्री ठाकुर ने यहां वाई20 शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में कहा कि भारत अपनी जी-20 अध्यक्षता को देशभर के सैकड़ों स्कूल और कॉलेज में ले गया और वैश्विक एजेंडे को आकार देने में युवाओं की भागीदारी की अपील की। ठाकुर ने कहा, जब हम लद्दाख और जम्मू कश्मीर गए, तो कुछ पड़ोसी देशों ने 'प्री-समिट' को वहां होने से रोकने की कोशिशों की लेकिन इसके बावजूद बैठक बेहद सफल रही।

खेल एवं युवा मामलों के मंत्री ठाकुर ने वाई20 शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में कहा कि भारत अपनी जी-20 अध्यक्षता को देशभर के सैकड़ों स्कूल और कॉलेज में ले गया और वैश्विक एजेंडे को आकार देने में युवाओं की भागीदारी की अपील की...

यहां रुद्राक्ष अंतरराष्ट्रीय सहयोग और कन्वेंशन सेंटर में वाई20 शिखर सम्मेलन का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया और इसमें जी-20 देशों, अतिथि देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 120 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान राम, कृष्ण और बुद्ध से लेकर स्वामी विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद और विनायक दामोदर सावरकर जैसी समकालीन हस्तियों तक, इन सभी ने लोगों को प्रेरित किया है और देश का एक नई दिशा की ओर मार्गदर्शन किया है।

शाह ने ग्रेटर नोएडा में किया पौधारोपण, सीएपीएफ के अभियान में लगाए पौधों की संख्या चार करोड़ हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्रेटर नोएडा/भाषा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां शुक्रवार को एक पौधा रोपा और इसी के साथ केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के देशव्यापी वृक्षारोपण अभियान के तहत लगाए गए पौधों की संख्या चार करोड़ हो गई। केन्द्रीय गृह मंत्री ने 'पीपल' का पौधा रोपने के बाद उस पर पानी डाला। मंत्री ने देश भर में सीआरपीएफ के आठ भिन्न परिसरों में नवनिर्मित 15 भवनों का ई-उद्घाटन भी किया, जिसमें जवानों के लिए बैरक, एक अस्पताल और अन्य बुनियादी ढांचे शामिल हैं। सीएपीएफ में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी),सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) शामिल हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और असम राइफल्स भी इस वृक्षारोपण अभियान का हिस्सा हैं।

'प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष ने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष के नए संविधान की वकालत करने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को कहा कि बिबेक देबरॉय ने अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है और केंद्र सरकार को उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है।

मायावती ने सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' पर लिखा, आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय का, अपने लेख में देश में नए संविधान की वकालत करना उनके अधिकार क्षेत्र का खुला उल्लंघन है, जिसका संज्ञान लेकर केन्द्र सरकार को तुरन्त कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि आगे कोई ऐसी बात करने का दुस्साहस न कर सके। उन्होंने कहा, देश का संविधान 140 करोड़ गरीब, पिछड़े और उपेक्षित लोगों के लिए मानवतावादी एवं समतामूलक होने की गारंटी है, जो स्वार्थी, संकीर्ण मानसिकता वाले, जातिवादी तत्वों को पसंद नहीं है। बसपा प्रमुख ने आगे कहा कि नए संविधान के विचार का विरोध करना सबकी जिम्मेदारी है। हाल में देबरॉय ने एक लेख में लिखा था, हमारा वर्तमान संविधान 1935 के भारत सरकार अधिनियम पर आधारित है। इस प्रकार यह भी एक औपनिवेशिक विरासत है। संविधान की समीक्षा के लिए गठित एक आयोग ने 2002 में एक रिपोर्ट दी थी लेकिन यह आधा-अधूरा काम था। उन्होंने लिखा था हम जो भी बहस करते हैं वह संविधान से शुरू हो कर संविधान पर ही खत्म होती है। कुछ संशोधनों से काम नहीं होगा। पीछे जा कर सोचना चाहिए और यह पूछना चाहिए कि प्रस्तावना में उल्लिखित शब्दों... समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, न्याय, स्वतंत्रता और समानता का अब क्या मतलब है। हम लोगों को खुद को एक नया संविधान देना चाहिए।

भाजपा, आजसू 'डराने- धमकाने' की राजनीति करते हैं : सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गिरिडीह/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और ऑल झारखण्ड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) केवल सत्ता से प्यार करते हैं और उन्हें राज्य के लोगों की कोई चिंता नहीं है। गिरिडीह जिले के डुमरी में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की उम्मीदवार बेबी देवी के लिए बृहस्पतिवार को चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सोरेन ने आरोप लगाया कि भाजपा और आजसू को केवल 'डराने और धमकाने' की राजनीति आती है। सोरेन ने कहा, उनका काम केवल बांटना और राज करना है। वे लोगों को आपस में लड़ाकर अपनी राजनीति की रोटियां सेंकते हैं। उन्हें झारखंड के लोगों की कोई चिंता नहीं है। उन्हें केवल सत्ता से प्यार है।

झारखंड में भाजपा-आजसू 20 वर्ष तक सत्ता में रहीं हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया,''उन्होंने झारखंड में इस प्रकार से शासन किया कि झारखंड देश का सबसे पिछड़ा राज्य बन गया। उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से इस राज्य को खोखला करने का काम किया। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सोरेन ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने आदिवासी राज्य के गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए 1.36 लाख करोड़ रुपए की बकाया राशि की मांग की तो सबसे पहले सरकार बहाने बनाने लगी। मुख्यमंत्री ने कहा,''जब हमने दस्तावेज दिखाए तो उन्होंने मुझे जेल में डालने के लिए मेरे पीछे ईडी और सीबीआई लगा दी। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित रक्षा भूमि घोटाले की जांच के सिलसिले में पिछले सप्ताह सोरेन को रांची में केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय में 14 अगस्त को पेश होने के लिए नोटिस भेजा था।

मणिपुर में शांति व सामान्य स्थिति बहाल करना सर्वोपरि: एन. बीरेन सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि जातीय-संघर्ष से ग्रस्त राज्य में शांति एवं सामान्य स्थिति बहाल करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। सिंह ने लोगों से राज्य में तीन मई से शुरू हुई जातीय हिंसा के कारण बर्बाद हुए समय की भरपाई के लिए दोगुनी मेहनत करने का आह्वान किया। सद्भावना दिवस के अवसर पर बीरेन सिंह ने राज्य के कल्याण और एकता के लिए सकारात्मक सुझाव व सलाह मांगी।

सद्भावना दिवस का कार्यक्रम 20 अगस्त के बजाय शुक्रवार को आयोजित किया गया, क्योंकि यह दिन सप्ताहांत में पड़ेगा। उन्होंने कहा, शांति व सामान्य स्थिति बहाल करना सर्वोपरि है। सभी को ऐसी टिप्पणी करने और चर्चा में शामिल होने से बचना चाहिए, जो दूसरे समुदाय के लिए परेशान करने वाली हो सकती है। उन्होंने कहा, विचारों में मतभेद होगा, लेकिन लोगों को अपने स्वार्थों को परे रखकर सामान्य हितों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। अब मुख्य उद्देश्य शांति बहाली है।

बीरेन सिंह ने कहा, लोगों को दोगुनी मेहनत करनी चाहिए, ताकि विकास फिर से गति पकड़े और राज्य एक बार फिर एकता एवं प्रगति के पथ पर बढ़े, जिस पर वह पिछले छह वर्षों से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने राज्य में केंद्रीय नेताओं के समर्थन, मार्गदर्शन और निगरानी के लिए उनकी सराहना भी की।

बिहार में पत्रकार की गोली मारकर हत्या

मुख्यमंत्री ने जताई चिंता, विपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अररिया/पटना/भाषा। बिहार के अररिया जिले में शुक्रवार सुबह अज्ञात लोगों ने एक पत्रकार की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। विमल कुमार यादव (35) की प्रेमनगर गांव में उनके आवास पर हत्या कर दी गई। वह एक हिंदी दैनिक के लिए काम करते थे। पुलिस ने एक्स (पूर्व में ट्वीटर) पर पोस्ट किया, हमलावरों ने सुबह करीब 5.30 बजे यादव के घर का दरवाजा खटखटाया और जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला, उन्होंने (हमलावरों) गोलीबारी शुरू कर दी।

यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर जिला पुलिस प्रमुख और संबंधित रानीगंज थाने के प्रभारी वहां पहुंचे। अररिया के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह ने कहा, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच जारी है। फॉरेंसिक विशेषज्ञों और खोजी कुत्तों को बुलाया गया है।

बताया जाता है कि विमल का पड़ोसी के साथ पुराना विवाद था। सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पत्रकारों ने जब घटना के बारे में पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से संपर्क किया, तो उन्होंने कहा, मुझे वास्तव में दुख हुआ है और मैंने तुरंत संबंधित अधिकारियों को घटना की जांच करने के लिए कहा है।

ओडिशा में छह स्थानों पर सौ मिमी से अधिक बारिश, आईएमडी ने 18 जिलों के लिए जारी किया येलो अलर्ट

भुवनेश्वर/भाषा। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र निर्मित होने के कारण ओडिशा में पिछले 24 घंटों में कई इलाकों में भारी बारिश हुई। अधिकारी ने शुक्रवार के यह जानकारी दी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भुवनेश्वर और कटक शहर सहित ओडिशा के 18 जिलों में हल्की से भारी बारिश होने और तेज हवाएं चलने,बिजली कड़कने को लेकर शुक्रवार को येलो अलर्ट जारी किया है। स्थानीय मौसम कार्यालय ने कहा कि कम से कम छह स्थानों में बेहद भारी बारिश दर्ज की गई। शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे क्योंझर जिले के तेलकोई में 182.6 मिमी, कटक जिले के बांकी में 182 मिमी, पुरी जिले के पीपीली में 122 मिमी, क्योंझर जिले के चामपुआ में 120.6 और बोलांगीर जिले के देवगांव में 107 मिमी बारिश हुई। इनके अलावा खुर्दा में 88 मिमी,हीराकुड में 87.8, नबरंगपुर में 81, क्योंझर में 70.6, पुरी में 69.6, भुवनेश्वर में 63.8 और टिटलागढ़ में 60.8 मिमी बारिश हुई। पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है कि मयूरभंज, भद्रक, बालासोर, केन्द्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, नयागढ़,ढेंकनाल, अंगुल, जाजपुर, क्योंझर, खुर्दा, कटक, पुरी, गंजम, गजपति, कोरापुट,रायगढ़,कालाहांडी और कंधमाल जिले भारी बारिश से प्रभावित हो सकते हैं।

नीरज की निगाहें विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुडापेस्ट/भाषा। भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा की पदकों की अलमारी में सिर्फ विश्व चैम्पियनशिप स्वर्ण की कमी है और अब इस सुपरस्टार खिलाड़ी की निगाहें शनिवार से शुरु होने वाली इस प्रतियोगिता में इसी कमी को पूरा करने पर लगी हैं।

चोपड़ा (25 वर्ष) ने टोक्यो ओलंपिक 2021 में स्वर्ण पदक जीता। 2018 में एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद वह पिछले साल डायमंड लीग चैम्पियन भी बन गए।

चोपड़ा ने अमेरिका में 2022 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था और वह इस बार यहां स्वर्ण पदक के दावेदारों में शुमार होंगे क्योंकि किसी भी प्रतिभागी को भी यहां प्रबल दावेदार नहीं कहा जा सकता। अगर चोपड़ा विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लेते हैं तो वह निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप की व्यक्तिगत स्पर्धा में पीला तमगा जीतने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे।

बिंद्रा 2008 में व्यक्तिगत स्पर्धा का ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे, उन्होंने 2006 में जगरेब में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया था।

शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों की मौजूदा फॉर्म को देखा जाए तो किसी को भी 27 अगस्त को होने वाले फाइनल के लिए प्रबल दावेदार नहीं कहा जा सकता। क्वालीफिकेशन इससे दो दिन पहले होगा। चोपड़ा ने इस सत्र में केवल दो शीर्ष स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं (दोहा और लुसाने डायमंड लीग) में हिस्सा लिया है और दोनों में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते। इन दोनों स्पर्धाओं के बीच उन्होंने चोट के कारण एक महीने का आराम भी किया। करीब दो महीने के आराम और ट्रेनिंग के बाद चोपड़ा ने कहा कि वह इस बड़ी प्रतियोगिता के लिए तैयार हैं जिसका दर्जा ओलंपिक की तरह ही है।

स्वर्ण पदक के दावेदारों में उनके अलावा चेक गणराज्य के जाकूब वाडलेच, जर्मनी के जूलियन वेबर और गत चैम्पियन एंडरसन पीटर्स शामिल हैं।

लुसाने में 88.67 मीटर के थ्रो से स्वर्ण जीतने वाले चोपड़ा विश्व सूची में तीसरे स्थान पर हैं लेकिन वह दोहा और लुसाने दोनों में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों की तिकड़ी (वाडलेच, वेबर और पीटर्स) को पछाड़कर विश्व चैम्पियनशिप में प्रवेश कर रहे हैं।

बिहार के अधिकतर सरकारी स्कूलों में बेरंग हैं ब्लैकबोर्ड, शौचालय खराब

पटना/भाषा। एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि बिहार सरकार के अधिकतर प्राथमिक तथा माध्यमिक स्कूलों में ब्लैकबोर्ड बेरंग पड़े हैं, स्कूलों में समुचित चारदीवारी नहीं हैं और शौचालयों की हालत भी खराब है। जिला मजिस्ट्रेट की ओर से शिक्षा विभाग को सौंपी गई निरीक्षण रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। जिला मजिस्ट्रेट ने जुलाई में स्कूलों का निरीक्षण किया और यह पाया गया कि अधिकतर प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल उन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर रहे हैं जिनकी शिक्षण संस्थानों से उम्मीद की जाती है। जिला मजिस्ट्रेट ने निरीक्षण रिपोर्ट में सरकारी स्कूलों में बेरंग ब्लैकबोर्ड, चारदीवारी का अभाव और शौचालयों के इस्तेमाल लायक हालत में नहीं होने की जानकारी दी है। शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) के के पाठक ने जिला मजिस्ट्रेटों को 16 अगस्त को आदेश जारी कर उनसे स्कूलों में बेरंग ब्लैकबोर्ड की रंगाई सुनिश्चित करने तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के स्वच्छता प्रमुख की अगुवाई में शौचालयों को योग्य हालत में लाने के निर्देश दिए।

विश्व चैम्पियनशिप: भारतीय निशानेबाजों ने मिश्रित टीम एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाकू (अजरबेजान)/भाषा। निशानेबाज ईशा सिंह और शिवा नरवाल ने शुक्रवार को यहां आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय खेमे को खुश कर दिया। इस भारतीय जोड़ी ने स्पर्धा के फाइनल में तुर्की की इलायडा तरहान और यूसुफ डिकेच की जोड़ी को 16-10 से पराजित कर देश के पदकों की संख्या दो कर दी।

भारत इस समय एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर तालिका में दूसरे स्थान पर चल रहा है जबकि चीन पांच स्वर्ण और दो कांस्य पदक से शीर्ष पर काबिज है।

भारतीयों ने क्वालीफिकेशन दौर में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें ईशा ने 290 और नरवाल ने 293 अंक जुटाए। उनका कुल स्कोर 583 रहा जिससे उन्हें क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष पर रहने में मदद मिली और तुर्की की जोड़ी 581 के कुल स्कोर से दूसरे स्थान पर रही।

चीन और ईरान ने समान 580 अंक जुटाए लेकिन 'इनर 10' की बदौलत चीन तीसरे स्थान से फाइनल के लिए क्वालीफाई हुआ।

पर भारत के राइफल निशानेबाजों ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में निराशाजनक प्रदर्शन किया और वे क्वालीफिकेशन चरण की बाधा भी पार नहीं कर सके।

मेहुली घोष (316.0) और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (314.2) की जोड़ी ने कुल 630.2 का स्कोर बनाया और क्वालीफिकेशन दौर में नौवें स्थान पर रहे।

वहीं रमिता (313.7) और दिव्यांश सिंह पंवार (314.6) की दूसरी भारतीय जोड़ी कुल 628.3 का स्कोर बनाकर 77 टीमों में 17वें स्थान पर रही।

प्रतियोगिता में शीर्ष चार टीमें ही फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं।

चीन के हुआंग युटिंग और शेंग लिहाओ की जोड़ी ने 632.7 अंक से क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल क्वालीफाई किया। चीन की इस जोड़ी ने ईरान को 16-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता जबकि फ्रांस ने इस्राइल को 17-9 से पराजित कर कांस्य पदक हासिल किया।

इससे चीन के पांच स्वर्ण पदक हो गए।

महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में परिनाज धालीवाल (118), गनेमत सेखों (118) और दर्शा राठौड़ (115) की टीम 351 अंक बनाकर कांस्य पदक जीतने वाली स्लोवाकिया (359) के बाद चौथे स्थान पर रही।

अमेरिका ने इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर खाता खोला जबकि इटली ने रजत पदक हासिल किया।

भारत ने गुरुवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में टीम कांस्य पदक जीता था।

नाडा के चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी दुती चंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एशियाई खेलों में दो रजत पदक जीतने वाली महिला एथलीट दुती चंद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उन पर लगाए गए चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी। वह नाडा की टूर्नामेंट के इतर प्रतिबंधित पदार्थ की डोप जांच में विफल रही थीं। 27 साल की दुती पर गुरुवार को प्रतिबंध लगाया गया था। इस 100 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एथलीट के पिछले साल दिसंबर में लिए गए दो नमूनों में 'अन्य एनाबोलिक एजेंट / एसएआरएमएस' मौजूद थे जो वाडा की 2023 प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल हैं।

ये नमूने पांच और 26 दिसंबर को लिए गए थे और दोनों ही एक समान पदार्थ के पॉजिटिव पाए गए थे। 'एसएआरएमएस' (सलेक्टिव एंड्रोजन रिसेप्टर मोड्यूलेटर) ऐसे 'नॉन स्टेराइड' पदार्थ हैं जिन्हें आमतौर पर आस्टियोपोरोसिस (हड्डी संबंधित बीमारी), अनीमिया (खून की कमी) और मरीजों में जख्मों से उबरने के लिए किया जाता है। दुती पर लगा प्रतिबंध इस साल तीन जनवरी से प्रभावी होगा और पांच दिसंबर 2022 को लिए गए पहले नमूने की इस तारीख से उनके सभी प्रतिस्पर्धी नतीजे हटा दिए जाएंगे। दुती के वकील पार्थ गोस्वामी ने शुक्रवार को पीटीआई से कहा कि यह खिलाड़ी अपने पूरे पेशेवर करियर में 'क्लीन एथलीट' (किसी भी डोपिंग से दूर) रही है और यह मामला इस पदार्थ के 'अनजाने में सेवन' करने का था। दुती ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 100 मीटर और 200 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीते थे और उनके नाम 2021 से 100 मीटर में 11.17 सेकेंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। गोस्वामी ने कहा, हमारे लिए यह मामला स्पष्ट तौर पर अनजाने में प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का है। हम इस पदार्थ का स्रोत भी स्पष्ट रूप से जान पाए जो पूरी तरह से उनके इरादे का ठोस सबूत है। इस पदार्थ का इस्तेमाल कभी भी खेल में फायदा उठाने के लिए नहीं किया गया था।

सुविचार

**हम क्या हैं वो सिर्फ हम जानते हैं,
लोग सिर्फ हमारे बारे में
अंदाजा ही लगा सकते हैं।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सबके स्वास्थ्य की सुरक्षा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने उचित ही कहा है कि कोविड-19 अब दुनिया के लिए स्वास्थ्य आपात नहीं रह गया है, लेकिन अब भी यह 'वैश्विक स्वास्थ्य खतरा' बना हुआ है तथा कोरोना वायरस का नया स्वरूप पहले से ही जांच के दायरे में है। निस्संदेह कोरोना महामारी पर मजबूती से नियंत्रण पा लिया गया है, लेकिन अब भी संक्रमण के कुछ मामले सामने आ रहे हैं। कोरोना वायरस अब भी सेहत के लिए खतरा बन सकता है, इसलिए कुछ सावधानियों का पालन करना जरूरी है। खासतौर से स्वच्छता और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि, दो ऐसे उपाय हैं, जिन्हें थोड़ी-सी सूझबूझ के साथ हर कोई अपना सकता है और इस महामारी के खात्मे में बड़ा योगदान दे सकता है। घेब्रेयेसस के इन शब्दों पर गौर करने की जरूरत है- 'कोविड-19 वर्तमान में वैश्विक स्वास्थ्य आपात नहीं रह गया है, लेकिन अब भी यह वैश्विक स्वास्थ्य खतरा बना हुआ है। डब्ल्यूएचओ ने हाल में कोरोना वायरस के नए स्वरूप की पहचान की है, जिसका स्वरूप कई बार परिवर्तित हो चुका है। बीए.2.86 स्वरूप की वर्तमान में निगरानी और जांच की जा रही है, जो एक बार फिर दर्शाता है कि सभी देशों को चौकसी बरतने की जरूरत है।' निस्संदेह किसी भी बीमारी को हल्के में नहीं लेना चाहिए और बात जब कोरोना संक्रमण की हो तो सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। आज भी जब वर्ष 2020 के दृश्य याद आते हैं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। हमारे वैज्ञानिकों, चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों के प्रयासों से महामारी के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ी गई, जिसमें हम जीत तो रहे हैं, लेकिन निर्णायक जीत तभी होगी, जब इसका पूरी तरह से खात्मा कर देंगे। अगर एक भी व्यक्ति को कोरोना संक्रमण होता है और उसकी जान जाती है, तो यह अत्यंत दु:खद है।

ऐसा न हो, इसके लिए जरूरी है कि कोरोना काल में बताई गईं स्वच्छता संबंधी सावधानियों को जीवन का हिस्सा बना लें। उस समय हाथों को स्वच्छ रखना हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गया था। आज कई लोग उसे भूलते जा रहे हैं। यह कहा जाए तो ग़लत नहीं होगा कि सबकुछ पुराने ढर्रे पर लौटता जा रहा है। अगर हमारी प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो तो संक्रमण से दृढ़ता से लड़ सकते हैं। इसके लिए प्रकृति के अनुकूल दिनचर्या, संतुलित खानपान, योग, ध्यान, प्राणायाम बहुत लाभदायक होते हैं। आयुर्वेद में भी ऐसे अनेक उपाय बताए गए हैं, जिन पर विशेषज्ञों के निर्देशानुसार अमल किया जाए तो प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। हालांकि हर शरीर की प्रकृति अलग होती है, इसलिए एक ही उपाय सबके लिए उपयोगी नहीं हो सकता, लेकिन कोरोना काल में यह देखने में आया कि जिनकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर थी, उन्हें संक्रमण के बाद ज्यादा दिक्कत हुई। मजबूत प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग संक्रमण से तुलनात्मक रूप से जल्दी उबर गए थे। लॉकडाउन में कुछ छूट देने के बाद कई लोगों ने दिनचर्या में बदलाव करते हुए सुबह-शाम सैर शुरू कर दी थी। रात को जल्दी सोने का नियम बना लिया था। गरिष्ठ और अत्यधिक चटपटे खानपान से दूरी बना ली थी। बोतल बंद शीतल पेय की जगह दूध, छाछ, सत्तू, नींबू पानी जैसे परंपरागत पेय की वापसी हो गई थी। अब स्थिति दोबारा बदल गई है। बड़ों को देखकर बच्चे भी बोतल बंद शीतल पेय के लिए मचलते हैं। अगर दूध में मलाई आ जाए तो उसे अलग कर देते हैं या बाहर फेंक देते हैं! वे इस बात से अनभिज्ञ हैं कि भारत के दूध-दही ने कितने बच्चों को बलिष्ठ योद्धा बनाया है! आज जरूरत इस बात की है कि अतीत के उन कष्टपूर्ण दिनों से सबक लें और जरूरी सावधानी बरतते हुए अपने और सबके स्वास्थ्य की सुरक्षा करें। घेब्रेयेसस के ये शब्द भी इसी तथ्य को दोहराते हैं- 'कोविड-19 ने हम सबको यह अहम पाठ सिखाया है कि अगर स्वास्थ्य खतरे में है तो सबकुछ खतरे में है। दुनिया इस महामारी के कष्टपूर्ण पाठ को सीख रही है।

ट्वीटर टॉक

आजाद हिंद फौज के संस्थापक, महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। अंग्रेजी हुकूमत से देश को मुक्त कराने के लिए नेताजी ने स्वतंत्रता की नई अलख व चेतना जगाई। उनके राष्ट्रप्रेम को दिल से सलाम।

-सचिन पायलट

गहलोत साहब यह राजस्थान की चिकित्सा व्यवस्था का हाल है जिस चिकित्सा व्यवस्था को लेकर आप भारत में सबसे श्रेष्ठ होने का ढिंढोरा पीटते है। आपकी चिकित्सा व्यवस्था अन्धकार में है, मूलभूत सुविधाओ के लिए राजस्थानी तरस रहे है, शिक्षा, सुरक्षा के हाल बेहाल है।

-अरुण सिंह

आज जयपुर स्थित जेईसीसी सभागार में नारी शक्ति को समर्पित 'सखी सम्मेलन' में महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य से पुरस्कार, ऋण व चेक वितरित किए। बहन, बेटियों व माताओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता से ही मिशन 2030 के तहत नं 1 राजस्थान का मार्ग प्रशस्त होगा।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

विद्वत्ता का सम्मान

छत्रपति शिवाजी के महाप्रयाण के बाद उनके राजकवि भूषण गहरी निराशा में डूब गये। उन्हें चिंता थी कि महाराजा शिवाजी के बाद राजाश्रय देने वाला शायद ही कोई राजा मिल सकेगा। वे सोचते थे कि क्या कोई ऐसा निर्भीक राजा धरा पर होगा जो अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की क्षमता रखता हो? उन्हें कालांतर ज्ञात हुआ कि अल्मोड़ा के चंद राजवंश के राजा निर्भीक व मानवीय मूल्यों के सरोकारों को लेकर प्रतिबद्ध हैं। महाकवि भूषण ने चंद राजा के पास उनके राज्य में अपने आने का संदेश दिया। यह समाचार सुनकर चंद राजा प्रसन्न हुए कि छत्रपति शिवाजी के राजकवि अल्मोड़ा पधार रहे हैं। राजा ने राज्य की सीमा में प्रवेश करने पर महाकवि के लिये हीरे-जवाहरात से जड़ित पालकी भिजवाई ताकि उन्हें ससम्मान महल लाया जा सके। बताते हैं जैसे ही पालकी महल के पास पहुंची चंद राजा ने कहार को हटाकर पालकी पर कंधा लगा दिया। यह देखकर उनके दरबारी हैरत में पड़ गए। तब राजा चंद ने कहा कि महाराजा छत्रपति शिवाजी जैसे महान व्यक्तित्व के राजकवि का हमारे राज्य में आगमन सौभाग्य की बात है। ऐसे सरस्वती पुत्र की पालकी को कंधा देना सौभाग्य है।

सामयिक

पहाड़ी जीवन और रहन सहन पर बदलनी होगी सोच

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

पहले उत्तराखंड और अब हिमाचल प्रदेश की आपदाओं ने पहाड़ी जीवन पर अनेक सवाल खड़े कर दिये हैं, क्या पहाड़ी जीवन असंभव हो जायेगा या हमें नाजुक पहाड़ों पर सुरक्षित एवं निष्कंटक जीने के लिये नये तरीके से जीना सीखना होगा। इन पहाड़ों में भारी बारिश व भूस्खलन से जान-माल की तबाही चिंतित करने वाली है। पहाड़ों में यह पहली बार नहीं है कि इतनी तबाही हुई है। इससे पहले भी देश के पहाड़ी राज्यों में ऐसी तबाही होती रही है। इनमें न सिर्फ बड़ी संख्या में लोगों को जान गंवानी पड़ रही है, बल्कि निजी और सरकारी संपत्तियों को भी बड़ा नुकसान होता जा रहा है। ऐसे हालात में सवाल यही उठता है कि बार-बार की आपदाओं के कारण हो रही तबाही को न्यूनतम करने की दिशा में कदम उठाने के लिए हमने सबक क्या लिया?

क्या पहाड़ों पर सामान्य धरती यानी मैदानी क्षेत्रों की तरह विकास योजनाओं, सड़क, भवन निर्माण, टनल, औद्योगिक उपक्रम, पर्यटन आदि को आकार देना उचित है। भूस्खलन की बढ़ती घटनाओं के कारणों की पड़ताल जरूरी है। पहाड़ों पर हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट लगातार हो रहे भूस्खलन की एक बड़ी वजह हैं। प्रोजेक्ट के दौरान टनल बनाने के लिए विस्फोट किए जाते हैं। भारी मशीनों के इस्तेमाल से पहाड़ों पर तेज कंपन होता है। हिमाचल प्रदेश का इकोसिस्टम अभी काफी संवेदनशील है। इन राज्यों में लगातार वृक्षों को काटने एवं मौजूद पहाड़ों की उम्र भी कम होने की वजह से लैंडस्लाइड की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन को भी भूस्खलन के बढ़ते मामलों की एक वजह माना जा सकता है। पिछले साल फरवरी में नासा ने एक रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक क्लाइमेंट चेंज से हिमालयी के ग्लेशियर झील वाले इलाकों में जून से सितंबर के दौरान लैंडस्लाइड बढ़ सकती है। साथ ही इससे बाढ़ की आपदा से जूझना पड़ सकता है। लेकिन ऐसे पूर्व अनुमानों से हमने क्यों नहीं सबक लिया?

हिमालय आज चिन्ताओं का हिमालय बन गया है। कुछ दशकों में खासकर हिमालयी क्षेत्र के राज्यों में विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ है। इतना ही नहीं, प्रकृति से खिलवाड़ कर नियमों के खिलाफ ऐसा निर्माण खड़ा किया जा रहा है, जो बाढ़ और भूस्खलन के साथ बर्बादी लेकर आया है। सवाल यह भी है कि पहाड़ी राज्यों में विकास का क्या पैमाना होना चाहिए? अगर विकास के नाम पर कहीं निर्माण गतिविधियां आवश्यक हों तो वह नियोजन के साथ ही आपदाओं को झेलने में सक्षम होनी चाहिए। आम तौर पर देखा गया है कि इन राज्यों में पर्यटन को बढ़ावा देने के नाम पर ऐसी बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी हो गईं जो न सिर्फ बाढ़ और भूस्खलन झेलने में अक्षम साबित हुईं, बल्कि पर्यावरण के हिसाब से भी नुकसानदेह रही हैं। ऐसे निर्माण में सरकारी स्तर पर सतर्कता की जो उम्मीद की जाती है, उसे नजरअंदाज किया गया।

हमने पहाड़ों को बाजारवाद के हवाले कर दिया है, वहां पर जिस तरह का आधारभूत ढांचा गत क्षेत्र से लेकर आवास क्षेत्र, होटलों आदि तक में अंधाधुंध निर्माण कार्य किया है और पहाड़ों को एक तरफ खोदा है और दूसरी तरफ उन पर क्रंक्रीट का निर्माण कार्य करके बोझ बढ़ा दिया है उससे प्रकृति द्वारा निर्मित इन मनोहर स्थानों का स्वरूप बदल रहा है। पिछले दिनों हमने बद्रीनाथ तीर्थ की यात्रा के आधार नगर जोशीमठ की हालत देखी थी कि किस प्रकार यह शहर दरकने लगा है। उससे पहले श्री केदारनाथ धाम में आयी विनाश लीला को भी देखा था। यह सब पहाड़ों पर बोझ बढ़ाने का ही नतीजा है और पहाड़ों को बेहिसाब तरीके से काटने व खोदने का ही नतीजा है। अगर कालका-शिमला राजमार्ग पर सोलन तक की दूरी में ही दस जगह भूस्खलन होता है तो हमें सोचना पड़ेगा कि गलती कहां हुई है। यदि शिमला शहर की पहाड़ियों पर ही मकान ढहने लगते हैं तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसे स्थानों में भवन निर्माण के नियम क्या हैं?

शिमला की घटनाओं ने अधिक चिन्ता में डाला है। राजधानी एवं अधिक सक्रिय, जनबहुल एवं पयर्टन नगर होने की बजह से शिमला में जो दृश्य देखें गये, वे अधिक डरावने, चिन्ताजनक एवं दहशतभरे थे। शिमला के कृष्णा नगर इलाके में 15 अगस्त को लैंडस्लाइड के चलते यहां कई मकान ढह गए। अपने आस-पास दशकों से रह रहे लोगों के घर ढहते देख पड़ोसी अपनी चीखें नहीं रोक पाए, भूस्खलन के बाद समूचे देश ने मचा हाहाकार देखा है। लेकिन जब ज़मीन धंसकती है और आपकी आंखों के सामने सब-कुछ नष्ट हो जाता है, वो बेबसी सरकारी योजनाओं, विकास प्रक्रियाओं एवं असंवेदनहीन होती सोच पर सवाल खड़ा करती है। शिमला के ही समर हिल इलाक़े में बादल फटने के बाद भूस्खलन हुआ। चपेट में इलाक़े का शिव मंदिर भी आ गया, जहां सावन का सोमवार होने के चलते भीड़ कुछ अधिक थी। ज़मीन इतनी तेज़ी से धंसी कि किसी को कुछ करने का मौका नहीं मिला। मंदिर के मलबे से अभी तक कुल लगभग 25 शवों को निकाला गया है। 14 अगस्त को ही शिमला में एक और जगह फागली पर भूस्खलन हुआ। यहां पांच लोगों की मौत हो गई। सोलन ज़िले में भी 7 लोगों के मर जाने की ख़बर है।

भारी वर्षा ने जिस तरह विनाश का खेल खेला है उससे पर्वतीय क्षेत्रों के विकास के लिए की जा रही विभिन्न गतिविधियों पर सवालिया निशान लग रहे हैं और भूगर्भ शास्त्री इस बारे में चेतावनियां भी दे रहे हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों के लिए विकास का पैमाना वह नहीं हो सकता जो मैदानी क्षेत्रों में होता है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के अनुसार अब तक के आकलन के मुताबिक प्राकृतिक आपदा से 10 हज़ार करोड़ रुपयों एवं भारी जानमाल का नुकसान हो चुका है। ये दर्दनाक एवं त्रासद घटनाएं प्रकृति के साथ तालमेल को नजरअंदाज करने का परिणाम है। यही वजह है, दोनों पहाड़ी राज्यों के लोगों को भविष्य में अंधाधुंध विकास की दौड़ से बचने के लिए तैयार रहना होगा। प्रकृति हमें आपदाओं के साथ यही संकेत और संदेश दे रही है कि विभिन्न स्तरों पर और निरंतर बहुत कुछ करने की जरूरत है। जिम्मेदारी सरकार और वहां के लोगों की है कि वे नाजुक पहाड़ी जीवन की मर्यादा, संयम, सादगी और पवित्रता को बनाए रखें। हर कोई जीवन में सुख-समृद्धि हासिल करना चाहता है लेकिन अंधाधुंध निर्माण गतिविधियों पर नियंत्रण बनाने की जरूरत है। पहाड़ों के प्राकृतिक स्वरूप से अधिक छेड़छाड़ किए बिना संतुलित विकास हो।

पर्यावरण विशेषज्ञों एवं जानकारों के अनुसार हिमाचल प्रदेश की सड़कों को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों को ऊपर से काटा जा रहा है। इसी वजह से भूस्खलन की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। पहाड़ी इलाकों में इंसानी एवं पर्यटन गतिविधियां लगातार बढ़ती जा रही है। इस वजह से पहाड़ों का संतुलन लगातार बिगड़ रहा है। बारिश के मौसम में या फिर बारिश के बाद पहाड़ों की नींव कमजोर हो जाती है। इसी वजह से पहाड़ टूटकर गिरने लगते हैं। भूस्खलन की एक बड़ी वजह वनों को काटना भी है। दरअसल पेड़ों की जड़े मिट्टी पर मजबूती के साथ पकड़ बनाती है। इसके साथ ही पहाड़ों के पत्थरों को भी बांधकर रखती हैं। पेड़ों को काटने से यह पकड़ ढ़ीली होती है। इसी वजह से जब बारिश होती है, तो पहाड़ के बड़े-बड़े पत्थर गिरने लगते हैं। शिमला में हो रहे हादसों का भी यही कारण है।

मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी पहाड़ों में त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वहां के वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति एवं पर्यावरण के साथ पहाड़ी जीवन के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। भारत को अपने पहाड़ों की विकास नीति तैयार करनी होगी। इस काम में भूगर्भ शास्त्रियों की ही प्रमुख भूमिका हो सकती है। हिमाचल के मुख्यमन्त्री सुक्खू जब यह स्वयं स्वीकार कर रहे हैं कि पहाड़ों पर पूरी तरह गैर वैज्ञानिक तरीके से अंधाधुंध निर्माण करा कर और सड़कों को चौड़ी करने के मोह में पहाड़ों को अंधाधुंध काट कर हमने इस मुसीबत को खुद दावत दी है तो पूरे देश को विचार करना चाहिए कि प्रकृति का बिना जाने-बूझे शोषण करने का क्या नतीजा हो सकता है?

विशेष

तीज-त्योहारों से सजी है हमारी संस्कृति

बाल मुकुंद ओझा

मोबाइल : 8949519406

हमारी संस्कृति तीज-त्योहारों, पर्व-उत्सवों से सजी है। हरितालिका तीज का त्योहार उत्तर भारत के राज्यों में बड़े ही धूम धाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। विवाहित महिलाओं के बीच यह लोकप्रिय त्योहार में से एक है। हरितालिका तीज सुहाग का पर्व है। पौराणिक मान्यता है कि हरतालिका तीज को सबसे बड़ी तीज माना जाता है। सावन में हरियाली तीज और कजरी तीज के बाद अब भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज का पर्व देशभर में हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। यह पर्व महिलाओं के सबसे प्रिय पर्वों में से एक है। इस दिन सुहागन महिलाएं अखंड सौभाग्य के लिए और कुंवारी युवतियां अपने मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए तीज का व्रत रखती हैं। तीज का व्रत सबसे कठिन व्रतों में से एक माना गया है। इस व्रत का विशेष पुण्य प्राप्त होता है। यह व्रत दांपत्य जीवन को खुशहाल बनाता है।

भारत तीज त्योहारों का देश है। हरतालिका तीज को हिंदू समुदाय में सबसे पवित्र दिनों में से एक माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हरियाली तीज सावन महीने की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। इस बार तृतीया तिथि की शुरुआत 18 अगस्त को रात 8 बजकर 1 मिनट पर होगी और इसका समापन 19 अगस्त को रात 10 बजकर 19 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार, हरियाली तीज 19 अगस्त 2023, शनिवार को ही मनाई जाएगी।

इस दिन लोग भगवान शिव और माता पार्वती का आशीर्वाद लेने के लिए उनकी पूजा करते हैं। यह व्रत विवाहित और अविवाहित महिलाएं करती हैं। अविवाहित महिलाएं मनचाहा वर पाने के लिए व्रत रखती हैं और विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। ऐसा माना जाता है कि देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए उपवास रखा था और यह दिन उनके मिलन का प्रतीक है। यह त्योहार मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में मनाया जाता है। मान्यता है इस दिन घर की साफ-सफाई कर अच्छे से सजाना चाहिए। पूजा शुरू करने से पहले एक चौकी पर मिट्टी में गंगा जल मिलाकर शिवलिंग, भगवान गणेश, माता पार्वती की प्रतिमा बनाएं। इसके बाद एक थाली में सुहाग की सामग्री जिसमें बिंदी, सिंदूर, चूड़ी, मेहंदी, नेल पॉलिश, अक्षत, धूप, दीप, गंधक आदि सजाकर अर्पित करें। भगवान शिव को उनकी प्रिय चीजों का भोग लगाकर शिव और पार्वती की आरती करनी चाहिए।

कथा के अनुसार माता गौरी ने पार्वती के रूप में हिमालय के घर पुनर्जन्म लिया था। माता पार्वती बचपन से ही शिव को वर के रूप में पाना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने कठोर तप किया। एक दिन नारद जी पहुंचे और हिमालय से कहा कि पार्वती के तप से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु उनसे विवाह करना चाहते हैं। यह सुन हिमालय बहुत प्रसन्न हुए। दूसरी ओर नारद मुनि विष्णुजी के पास पहुंच गए और कहा कि हिमालय ने अपनी पुत्री पार्वती का विवाह आपसे कराने का निश्चय किया है। इस पर विष्णुजी ने भी सहमति दे दी। नारद इसके बाद माता पार्वती के पास पहुंच गए और बताया कि पिता हिमालय ने उनका विवाह विष्णु से तय कर दिया है। यह सुन पार्वती बहुत निराश हुईं और पिता से नजरें बचाकर सखियों के साथ एक एकांत स्थान पर चली गईं और सुनसान जंगल में पहुंचकर माता पार्वती ने एक बार फिर तप शुरू किया। उन्होंने रेत से शिवलिंग का निर्माण किया और उपवास करते हुए पूजन शुरू किया। भगवान शिव इस तप से प्रसन्न हुए और मनोकामना पूरी करने का वचन दिया। इस बीच माता पार्वती के पिता पर्वतराज हिमालय भी वहां पहुंच गए। वह सत्य बात जानकर माता पार्वती की शादी भगवान शिव से कराने के लिए राजी हो गए। शिव कहते हैं, 'हे पार्वती! तुमने जो कठोर व्रत किया था उसी के फलस्वरूप हमारा विवाह हो सका। इस व्रत को निष्ठा से करने वाली स्त्री को मैं मनोवांछित फल देता हूं।

चिंतन

184 वर्षों में बदल गई है तस्वीरों की दुनिया

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

एक जमाना था, जब लोगों को फोटो खिंचवाने के लिए कई-कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता था और उसके सप्ताह भर बाद फोटो लेने के लिए फिर से उस स्टूडियो तक जाना पड़ता था। उस जमाने में घर में कैमरा रखना और उससे अपने तथा परिजनों के फोटो खींचना लोगों का सपना हुआ करता था लेकिन अब फोटोग्राफी की दुनिया बिल्कुल बदल चुकी है। अब छोटे से छोटे तबके के व्यक्तियों के पास भी कैमरे वाले फोन हैं, जिनसे बड़ी आसानी से कहीं भी और कभी भी तस्वीरें खींची जा सकती हैं और उन्हें सहेजकर रखा जा सकता है। यह अलग बात है हर जेब में मोबाइल होने और हर व्यक्ति के फोटोग्राफर बन जाने के बाद भी दुनियाभर में अच्छे फोटोग्राफर बहुत कम ही हैं। फोटोग्राफी के क्षेत्र में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने, फोटोग्राफी को लेकर विचारों को एक-दूसरे के बीच साझा करने, फोटोग्राफी के क्षेत्र में आने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने तथा विश्वभर के फोटोग्राफरों को एकजुट करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है।

दरअसल दुनियाभर में फोटोग्राफी के शौकीन ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्होंने फोटोग्राफी को ही अपना कैरियर बना लिया है। वास्तव में फोटोग्राफी दिवस उन लोगों को समर्पित है, जिन्होंने विशेष पलों को अपने कैमरे से तस्वीरों में कैद कर उन्हें सदा के लिए यादगार बना दिया। यह दिवस इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले ऐसे व्यक्तियों के कार्यों को स्मरण करने के अलावा भावी पीढ़ी को भी फोटोग्राफी में अपना कौशल दिखाने के लिए प्रेरित करता है। विश्व फोटोग्राफी दिवस की योजना की शुरुआत आस्ट्रेलियाई फोटोग्राफर कोर्स्के आरा द्वारा वर्ष 2009 में की गई थी और उसके बाद विश्व फोटोग्राफी दिवस पर 19 अगस्त 2010 को पहली वैश्विक ऑनलाइन फोटो गैलरी का आयोजन किया गया था। उस दिन दुनियाभर के 250 से भी ज्यादा फोटोग्राफरों ने अपनी खींची तस्वीरों के माध्यम से अपने विचारों को साझा किया था और 100 से भी ज्यादा देशों के लोगों ने उस ऑनलाइन फोटो गैलरी को देखा था। इसीलिए वह दिन फोटोग्राफी के शौकीनों और पेशेवर फोटोग्राफरों के लिए एक ऐतिहासिक दिन बन गया था। विश्व फोटोग्राफी दिवस की शुरुआज आज से करीब 184 वर्ष पहले फोटोग्राफी को लेकर घटी एक घटना की याद में मनाया जाने लगा। दरअसल जनवरी 1839 में फ्रांस में जोसेफ नीसपोर और लुई डागुएरे ने डॉगोरोटाइप प्रक्रिया के आविष्कार की घोषणा की थी, जिसे दुनिया की पहली 'फोटोग्राफी प्रक्रिया' माना जाता है। फोटोग्राफी शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द 'फोटोज' (प्रकाश) और 'ग्राफीन' (खींचने) से मिलकर हुई है। वर्ष 1839 में वैज्ञानिक सर जॉन एफ डब्ल्यू हश्रेल ने पहली बार 'फोटोग्राफी' शब्द का उपयोग किया था। फ्रांसीसी वैज्ञानिक आर्गो ने 7 जनवरी 1839 को फ्रेंच अकादमी ऑफ साइंस के लिए इस पर एक प्रोसेस रिपोर्ट तैयार की और फ्रांस सरकार ने यह रिपोर्ट खरीदकर 19 अगस्त 1839 को इस आविष्कार की घोषणा करते हुए इसका पेटेंट प्राप्त कर आम लोगों के लिए इस प्रक्रिया को मुफ्त घोषित किया था। इसीलिए विश्व फोटोग्राफी दिवस' मनाने के लिए 19 अगस्त का दिन ही निर्धारित किया गया।

सही मायनों में दुनियाभर की खूबसूरती को कैमरे में समेटकर उसे जब चाहें मन भरकर देखने का बेहतरीन जरिया है फोटोग्राफी। वास्तव में हमारे जीवन में फोटो ही ऐसी वस्तु हैं, जो पुरानी यादों को अपने भीतर समेटकर उन्हें बरसों तक जिंदा रखती हैं। तकनीकी और वैज्ञानिक सफलता के इस दौर में फोटोग्राफी के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, जिनकी बदौलत अब कैमरे का एक बटन दबाने के बाद चंद पलों या मिनटों में बेहतरीन तस्वीर हमारे हाथ में होती है लेकिन तमाम तकनीकी प्रगति के बावजूद बेहतरीन क्वालिटी के प्रिंटर होने पर भी अच्छा फोटो प्राप्त करने के लिए फोटोग्राफी की कुछ बारीकियों की जानकारी होना भी बहुत जरूरी है। वैसे फोटोग्राफी के आविष्कार ने मानव जीवन में बहुत क्रांतिकारी भूमिका निभाई है और यह इसी से समझा जा सकता है कि दुनिया के किसी भी कोने में खींचे गए चित्रों के माध्यम से अब पलभर में ही वहां के जनजीवन तथा घटनाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त हो जाती है। फोटोग्राफी का अनोखा आविष्कार न केवल दुनियाभर में लोगों को एक-दूसरे के बेहद करीब लेकर आया बल्कि इसी आविष्कार की ही बदौलत एक-दूसरे को जानने और उनकी संस्कृति को समझकर इतिहास को समृद्ध बनाने में भी बड़ी मदद मिली है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

संबोधन

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान शुक्रवार को पटना में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

जरूरत पड़ी तो 1,000 साल जेल में बिताने को तैयार : इमरान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने देश के लिए 1,000 साल तक जेल में रहने को तैयार हैं। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। एक सत्र अदालत ने इमरान (70) को सरकारी उपहारों (तोशखाना) की बिक्री से हुई आमदनी को छिपाने के लिए पांच अगस्त को तीन साल जेल की सजा सुनाई थी। वह फिलहाल पंजाब प्रांत की अटक जेल में कैद हैं। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी की खंडपीठ 22 अगस्त को इमरान की याचिका पर सुनवाई करेगी।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान की कानूनी टीम के सदस्य उमियार नियाज़ी ने खान से अटक जेल में मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने शुक्रवार को संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का स्वास्थ्य ठीक है, हालांकि उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। वकील ने कहा, उन्हें (इमरान को) आज एक आईना और शेविंग किट दी गई।'' नियाजी ने दावा किया कि छह लोगों की टीम में से केवल उन्हें ही पूर्व प्रधानमंत्री से मिलने की अनुमति दी गई।

उन्होंने अदालत का आदेश होने के बावजूद कानूनी टीम को पूर्व प्रधानमंत्री से नहीं मिलने देने के लिए जेलर के आचरण के खिलाफ अदालत की अवमानना याचिका दायर करने का इरादा जताया। नियाजी ने खान के हवाले से कहा, ''मुझे सुविधाएं नहीं दिए जाने की (जेल में) परवाह नहीं है। अगर मुझे 1,000 साल तक भी जेल में रखा गया, तो कोई फर्क नहीं पड़ता और मैं इसके लिए तैयार हूं, क्योंकि आजादी के लिए (किसी न किसी को) बलिदान देना पड़ता है।' पिछले साल अप्रैल में सत्ता से अपदस्थ किए जाने के बाद खान देश भर में 140 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। उनके खिलाफ आतंकवाद, हिंसा, ईशनिंदा, भ्रष्टाचार और हत्या जैसे संगीन आरोप हैं।

उद्घाटन

श्रीनगर में शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अल्केमी फिल्म्स और सोनी सब के नए शो 'पशमीना' के पहले दिन की शूटिंग का उद्घाटन किया।

सिंगापुर की अदालत ने भारतीय नागरिक के 73 हजार अमेरिकी डॉलर के दावे के पक्ष में फैसला सुनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर। सिंगापुर में एक भारतीय नागरिक के देश में उसकी नियोक्ता कंपनी से 73,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक के दावे पर उसके पक्ष में फैसला सुरक्षित कर लिया गया है। व्यक्ति जिस वाहन से जा रहा था उससे उतरते समय उसके पैर की हड्डी टूट गई थी। आरोप है कि कंपनी रामलिंगम मुरुगन और अन्य श्रमिकों को उनके कार्यस्थल तक पहुंचाने वाले वाहन से उतरने की सुरक्षित प्रणाली प्रदान करने में विफल रही। 'चैनल न्यूज एशिया' की खबर के अनुसार, अदालत के फैसले की प्रति बृहस्पतिवार को उपलब्ध हुई। जिला न्यायाधीश तान मे ती ने मुरुगन के पक्ष में फैसला सुनाया और कहा कि इससे हुई क्षति का आकलन अगले चरण में किया जाएगा। मुरुगन के वकील मोहम्मद अशरफ सैयद अंसाराय ने चैनल को बताया कि उनके मुवक्किल ने क्षति के एवज में करीब 73,400 अमेरिकी डॉलर की मांग की है। अंसारी ने कहा कि न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि लॉरी में चढ़ने और उतरने के लिए भी एक सुरक्षित कार्य प्रणाली की आवश्यकता है। कंपनी ने दलील दी थी कि यह एक आसान कार्य होता है और इसके लिए किसी सुरक्षित प्रणाली की जरूरत नहीं होती। मुरुगन (37) तीन जनवरी, 2021 को दुर्घटना के समय समुद्री जहाज मरम्मत की कंपनी 'रीगल मरीन सर्विस' में स्टील के ढांचे और जहाज के पेंटर के रूप में कार्य करता था। घटना वाले दिन सुबह करीब सात बजे वह अपने आवास से लॉरी से 11ए जू यी रोड स्थित कंपनी परिसर गया था। 12 फुट की इस लॉरी में 24 कर्मी सवार थे।

मुरुगन ने कहा कि घटना वाले दिन जबरदस्त बारिश हो रही थी और कर्मचारी दूसरी लॉरी में चढ़ने के लिए जल्दी में थे ताकि वे बारिश से बच सकें। उसने बताया कि लॉरी से उतरने वाला वह चौथा शख्स था और लॉरी के टेलबोर्ड (सामान ढोने और उतारने के लिए बना ढांचा) को नीचे नहीं गिराया गया था। उतरने की जल्दबाजी में संभवत: किसी अन्य सहकर्मी या सहकर्मियों का धक्का लगने से उसका संतुलन बिगड़ गया और वह झटके से नीचे गिर गया तथा उसके पैर में चोट आई।

इसके बाद उसके साथी उसे कार्यशाला ले गए और फिर उसे उसके आवास पहुंचाया। बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसका ऑपरेशन हुआ और वह करीब पांच महीने तक चिकित्सा के आधार पर छुट्टी पर रहा। मुरुगन की कंपनी ने कहा कि दुर्घटना उसकी लापरवाही और कर्तव्य में ढिलाई की वजह से हुई। कंपनी ने उसके चिकित्सकीय खर्च के दावे को वहन करने से भी इनकार कर दिया और उसे चिकित्सा के आधार पर ली गई छुट्टी के दौरान वेतन देने से भी इनकार किया।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग अगले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) देशों के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि इससे पहले वह दक्षिण अफ्रीका की आधिकारिक यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुन्यिंग ने बयान में यह भी कहा कि 21 से 24 अगस्त तक के अपनी दक्षिण अफ्रीका यात्रा पर शी दक्षिण अफ्रीका के अपने समकक्ष सिरिल रामफोसा के साथ चीन-अफ्रीका लीडर्स डायलॉग की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। ब्रिक्स समूह दुनिया की अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के हितों को जोड़ने पर आधारित था, लेकिन इसने अन्य नागरिक और सरकारी क्षेत्रों में विस्तार करने की मांग की है। दक्षिण अफ्रीका के अधिकारियों के अनुसार, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय द्वारा उनके खिलाफ गिरफ्तारी का वॉरंट जारी किए जाने के कारण इस सम्मेलन में शामिल नहीं होने का निर्णय लिया है।

सीने के एक्स-रे से उम्र बताने वाला एआई-मॉडल विकसित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। हाल में विकसित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का मॉडल किसी के भी सीने के एक्स-रे से उसकी उम्र का आकलन कर सकता है। 'द लांसेट हेल्दी लॉन्गेविटी' पत्रिका में प्रकाशित नए अनुसंधान से यह जानकारी सामने आई है। जापान के ओसाका मेट्रोपोलिटन विश्वविद्यालय के अनुसंधान से पता चलता है कि एआई का यह मॉडल अनुमानित और सटीक उम्र के बीच के अंतर से उच्च रक्तचाप और असाध्य श्वसन रोग से संबंधित बीमारियों के बारे में संकेत दे सकता है। अनुसंधानकर्ताओं ने अपने अध्ययन में कहा कि इस निष्कर्ष से चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ी मदद मिलेगी और इससे बीमारी का पहले ही पता लगाने और उसे रोकने की दिशा में काम करने का मार्ग प्रशस्त होगा। जैसे जैसे वैश्विक आबादी की उम्र बढ़ रही है, उम्र से संबंधित और लंबी उम्र के विषय में अनुसंधान का महत्व बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि बुढ़ापा एक जटिल बदलाव है जिसके साथ कई बीमारियां आती हैं और यह अलग अलग लोगों पर अलग अलग असर डालता है। अनुसंधान का नेतृत्व करने वाले याशुहितो मित्सुयामा ने कहा, ''दवा के क्षेत्र में सटीक उम्र महत्वपूर्ण कारकों में से एक होती है। हमारे नतीजे बताते हैं कि सीने की रेडियोग्राफी-आधारित स्पष्ट उम्र, कालानुक्रमिक उम्र से परे स्वास्थ्य स्थितियों को सटीक रूप से दर्शा सकती है।'' उम्र के आकलन के लिए एआई मॉडल को 2008 और 2021 के बीच स्वास्थ्य जांच के लिए आए 36,051 स्वस्थ व्यक्तियों से संकलित उनके सीने के करीब 67,000 रेडियोग्राफ का इस्तेमाल कर प्रशिक्षित किया गया है। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि मॉडल एआई अनुमानित उम्र और व्यक्ति की सटीक उम्र के बीच मजबूत संबंध दिखाती है।

फिर इसे ज्ञात बीमारियों वाले कई रोगियों से संकलित सीने की अतिरिक्त 34,197 रेडियोग्राफ पर एआई-अनुमानित आयु और प्रत्येक बीमारी के बीच संबंध का विश्लेषण करने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

अक्षय की वजह से मुझे 'ओएमजी 2' में काम मिला : पंकज त्रिपाठी

नई दिल्ली/एजेन्सी

अपने अलग अंदाज के लिए मशहूर अभिनेता पंकज त्रिपाठी इन दिनों 'ओएमजी 2' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म में अपने सह-अभिनेता अक्षय कुमार के साथ अपने संबंधों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अक्षय ने ही फिल्म के लिए उनके नाम की सिफारिश की थी। 'ओएमजी 2' में दूसरी बार पंकज और अक्षय एक साथ देखा गया है। दोनों ने इससे पहले 'बच्चन पांडे' में काम किया था, जो 2022 में रिलीज हुई थी। पंकज ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, उनके साथ दूसरी बार काम करना बहुत अच्छा रहा। फिल्म में मेरे नाम की सिफारिश उन्होंने ही की थी। उन्होंने कहा, उनके साथ उनका रिश्ता मजबूत है और वह बहुत मेहनती अभिनेता हैं। उन्होंने फिल्म में बहुत ही खूबसूरती से काम किया है। मैंने देखा है, इसलिए कह रहा हूं। मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। मैं उन पर विश्वास करता हूं और उनकी प्रशंसा करता हूं।'' 'ओएमजी 2' 11 अगस्त को सनी देओल और अमीषा पटेल अभिनीत 'गदर 2' के साथ रिलीज हुई थी। रिलीज होने पर फिल्म ने पहले दिन 10.26 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। हालांकि फिल्म अब 100 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्वीट किया, स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी छलांग के बाद 'ओएमजी 2' लगातार दिल जीत रही है और पैसा कमा रही है, यह वीकेंड 2 में सेंचुरी लगाएगी। अक्षय ने गुरुवार को ट्विटर पर लोगों को फिल्म पसंद करने के लिए धन्यवाद दिया।

फिल्म एक था जोकर का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार और अभिनेत्री स्मृति सिन्हा की आने वाली फिल्म एक था जोकर का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म एक था जोकर का ट्रेलर इंटर 10 रंगीला के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। इस फिल्म के निर्माता यश कुमार एंटरटेनमेंट और निधि मिश्रा हैं, जबकि निर्देशक सुजीत वर्मा हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक जोकर से होती है, जो अपनी कला से अपने पैसे कमाता है और अपने बेटे का भरण पोषण करता है। सड़क पर उसकी जिंदगी कटती है। लेकिन एक दिन दुर्घटना में वह अपाहिज हो जाता है, जिसके बाद उस पेशे को उसका बेटा (यश कुमार) अपना लेता है। इसी बीच उसकी शादी स्मृति सिन्हा से होती है। फिर दोनों अपने बेटे को पढ़ा लिखा कर आईएएसबनाता है, लेकिन जमाने की रीत के अनुसार उसका बेटा पैसा और पावर के नशे में अंधा हो जाता है और एक अमीर लड़की से शादी करता है। वह अपने माता पिता को भी दुत्कार देता है।

यश कुमार ने कहा कि यह फिल्म वर्तमान समाज की हकीकत को प्रस्तुत करती है। फिल्म में जोकर का किरदार निभाना मेरे लिए आसान नहीं रहा, लेकिन जब आज मैं अपने फिल्म की ट्रेलर देखता हूं, तो मुझे सुकून मिलता है। लेकिन यह फिल्म कैसी होगी, इसका फैसला दर्शकों को करना है, जब यह फिल्म रिलीज होगी। मैं अभी बस इतना कहना चाहूँगा कि आप सभी इस फिल्म को अपने परिवार के साथ देखें। इस फिल्म के संवाद से गाने तक आपको बेहद पसंद आएंगे।

यश कुमार एंटरटेनमेंट प्रस्तुत फिल्म एक था जोकर में यश कुमार और स्मृति सिन्हा के साथ विनोद मिश्रा, अमित शुक्ला मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के संगीतकार साजन मिश्रा और गीतकार राजेश मिश्रा, शेखर मधुर एवं धरम हिंदुस्तानी हैं। कहानी यश कुमार और पटकथा एवं संवाद एस. के. चौहान ने लिखे है।

सिर्फ पैसों के लिए कोई फिल्म साइन नहीं की : राजकुमार राव

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव का कहना है कि उन्होंने सिर्फ पैसों के लिए कोई फिल्म साइन नही की है। राजकुमार राव ने बताया, मैंने कभी पैसों के लिए काम नहीं किया।कई बार ऐसा मौके आए जहां लोगों ने कहा की आप ये कर लो, पैसे मिल जाएंगे लेकिन मैंने नहीं चुना। क्योंकि उससे रातों की नींद उड़ जाती है। जो पैसा खराब नीयत से आता है या खराब तरीके से आता है, मुझे वह नहीं चाहिए। मुझे मेरी सुकून की नींद बहुत पसंद है। जितना मिला, उतना मेरे लिए ठीक है।

राजकुमार राव इन दिनों फिल्म 'स्त्री 2' में काम कर रहे हैं। राजकुमार राव ने बताया स्त्री 2 का पहला शेडयूल पूरा हो चूका हैं। स्त्री 2 बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। बहुत लोग है जो इस फिल्म को बहुत प्यार करते है।

हम उसी शिद्दत और उसी प्यार से बना रहे है जो हमने पहले बनाई थी। 'स्त्री ' एक अच्छी फिल्म है, जिसके लॉयल फैन फोल्लोविंग है।हम फिल्म स्त्री 2 को बहुत ईमानदारी से बना रहे हैं, बिना कोई बैगेज की हमें यह भी हिट करवानी है। हमने पहला पार्ट भी सिर्फ पैसे कमाने के इरादे से नहीं बनाई थी, इस बार भी हम मजे करते-करते स्त्री 2 बना रहे हैं, पूरी सादगी के साथ।

हॉटस्टार पर रिलीज हुयी '1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट'

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड फिल्मकार विक्रम भट्ट की फिल्म '1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट' डिज़्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हो गयी है। कृष्णा भट्ट द्वारा निर्देशित फिल्म '1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट' का निर्माण विक्रम भट्ट प्रोडक्शंस और हाउसफुल मोशन पिक्चर्स प्रा. लि. ने किया है।इस फिल्म में अविका गौड़ की मुख्य भूमिका हैं। 1920 : हॉरर्स ऑफ द हार्ट अभी सिर्फ डिज़्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। इस फिल्म में अविका गौड़ के अलावा बरखा बिष्ट, राहुल देव, केतकी कुलकर्णी, दानिश पंडोर, रूपम भाग, अमित बहल आदि भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रहे हैं। कृष्णा भट्ट ने कहा, 1920 फ्रैंचाइज़ प्रशंसकों की चहेती पहली हॉरर फिल्म फ्रैंचाइज़ रही है और इसके नये संस्करण 1920- हॉरर्स ऑफ द हार्ट के साथ हमने स्तर को उंचा करने की कोशिश की है। अपेक्षाओं पर खरा उतरना एक बड़ी जिम्मेदारी जैसा लगा, लेकिन हमारे पास बेहतरीन कलाकार और तकनीशियन थे, जिन्होंने हमारे लिये काम को आसान बना दिया। अविका गौड़ को टेलीविजन पर काफी पसंद किया गया है और इस फिल्म के साथ हमने उन्हें बिलकुल अलग अवतार में दिखाने की कोशिश की है। अब चूंकि यह फिल्म डिज़्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है, तो ज्यादा से ज्यादा दर्शक इसे देख सकेंगे।

अविका गौड़ ने कहा, मेघना की भूमिका निभाना किसी अनजान जगह गोता लगाने जैसा था और इस भूमिका ने मेरा दायरा बढ़ाया है। मुझे हॉरर का जोनर पसंद है और बीते सालों में इसने काफी विकास किया है। मुझे 1920 फ्रैंचाइज़ की फैन फॉलोइंग का पता था और उसके साथ मिलने वाला प्रेशर भी मैंने महसूस किया, लेकिन मैं चुनौती को संभालने के लिये तैयार थी। महेश भट्ट, विक्रम भट्ट और कृष्णा भट्ट के साथ काम करने का मौका पाकर मैं बहुत आभारी हूँ और यह फिल्म अब डिज़्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है और इसलिये यह ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुँचेगी।

मेरी मां ने मेरे अंदर थिएटर के प्रति प्यार पैदा किया : अलीशा परवीन

नई दिल्ली/एजेन्सी

शो 'उड़ारियां' में प्रतिष्ठित विरासत की मशाल संभालने के लिए खुद को भाग्यशाली मानते हुए अलीशा परवीन ने साझा किया है कि मुख्य भूमिका हासिल करना हमेशा उनसे ज्यादा उनकी मां का सपना था। 'उड़ारियां' में लीप के बाद प्यार और आकांक्षाओं की रोमांचक कहानी दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती रहती है। अपने किरदारों के प्रति सच्चे रहते हुए और अटूट समर्पण के साथ अपनी भूमिकाओं को निभाते हुए नए कलाकार आलिया के रूप में अलीशा, अरमान गिल के रूप में अनुराज चहल और आसमां ढिल्लों के रूप में अदिति भगत दर्शकों का मनोरंजन करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अलीशा एक अभिनेत्री के रूप में अपनी यात्रा के पीछे अपनी मां को प्रेरक शक्ति मानती हैं।

अपनी मां के सपने के बारे में बात करते हुए अलीशा ने कहा, 10 साल की उम्र में मेरी मां ने मेरे अंदर थिएटर के प्रति प्यार पैदा किया। उन्होंने मेरे अभिनय कौशल को आकार देने में वर्षों का निवेश किया और उनके निरंतर समर्थन और समर्पण ने मेरे अभिनय करियर की नींव रखी और कुछ ही समय में मैं दिल्ली से सपनों से भरा बैग लेकर मुंबई आ गया।''

उसने कहा, मेरी मां हमेशा चाहती थीं कि मुझे मुख्य भूमिका मिले, और 'उड़ारियां' में आलिया की मेरी भूमिका के बारे में जानकर उनके खुशी के आंसू उनके अपार प्यार का परिणाम थे। यह सफलता उनके निस्वार्थ प्रेम और आशीर्वाद के कारण ही मिल सकी। आलिया नेहमत (ट्विंकल अरोड़ा द्वारा अभिनीत) और एकम (हितेश भारद्वाज द्वारा अभिनीत) की प्यारी बेटी है, जो एक विद्रोही आत्मा है। वह नेहमत को अपना सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी मानती है। उसका मानना है कि नेहमत ने उसकी मां को भगा दिया और स्वार्थवश हरलीन को उसकी असली मां बताने की कोशिश की।

अरमान 25 साल का एक उत्साही लड़का है, जो आलिया के दिल में विशेष स्थान रखता है और मानता है कि ऐसी कोई चीज़ नहीं है जिसे जुगाड़ से ठीक नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर, हरलीन की जैविक बेटी, आसमा, कनाडा में पली-बढ़ी एक स्वप्नद्रष्टा है, लेकिन उसके दिल में भारत के लिए गहरा प्यार है। जैसा कि भाग्य को मंजूर था, आलिया, अरमान और आसमां की जिंदगी अप्रत्याशित तरीके से आपस में जुड़ जाती है। यह शो कलर्स पर प्रसारित होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 19-08-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अहंकार स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ मानने के कारण उत्पन्न हुआ एक व्यवहार है। यह एक ऐसा मनोविकार है जिसमें मनुष्य को न तो अपनी त्रुटियां दिखाई देती है और न ही दूसरों की अच्छी बातें। शांति का शत्रु है अहंकार। जब अहंकार बलवान हो जाता है तब वह मनुष्य की चेतना को अंधेरे की परत की तरह घेरने लगता है। जिस प्रकार नींबू की एक बूंद हजारों लीटर दूध को बर्बाद कर देती है उसी प्रकार मनुष्य का अहंकार अच्छे से अच्छे संबंधों को भी बर्बाद कर देता है।

जिंदगी सवारें अनुष्ठान से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री लावण्यश्रीजी के सान्निध्य में 'दांपत्य जीवन को संवारे' अनुष्ठान से कार्यक्रम का शानदार रोचक आयोजन हुआ। साध्वी श्री लावण्यश्री जी ने कहा कि शब्द में बहुत बड़ी ताकत होती है। जैन धर्म में अनेक अनेक मंत्र है।

महामंत्र की कोटि में नमस्कार महामंत्र का श्रद्धा से जप किया जाता है। ग्रह, नक्षत्र, जीवन शैली सब अनुकूल हो जाते हैं। मंत्र की शक्ति अचिंत्य होती है। उवसगहरं स्तोत्रं, पैंसठियायंत्र, विघ्न हरण ढ़ाल, मुनिंद मोरा, भिक्षु महारे प्रगटया जी, आदि ऐसे अनुष्ठान है जो हमें त्राण देते हैं, शरण देते हैं। हमारे पास इतनी शक्तियां हैं, हम उसका उपयोग कर समस्या का समाधान कर सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि आचार्य मानतुंग ने भक्तामर स्त्रोत की रचना की, 48 तालों को तोड़ा, एक-एक श्लोक की रचना होती गई, एक एक ताला टूटता गया। यह है शब्द का, मंत्र का प्रभाव। साध्वीश्री सिद्धांतश्रीजी, साध्वीश्री दर्शित प्रभाजी ने प्रभावशाली तरीके से अनुष्ठान करवाया। नवकार मंत्र, रक्षा कवच, स्वास्थ्यवर्धक मंत्र, सुख शांति समृद्धि प्रदायिक मंत्र आदि का विधिवत अनुष्ठान हुआ। तेयुप चेन्नई के तत्वावधान में आयोजित इस अनुष्ठान में अध्यक्ष दिलीप गेलड़ा, मंत्री कोमल डागा, संयोजक आनंद बोथरा एवं उनकी पूरी टीम का श्रम सराहनीय रहा।

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के गांधीपार्क स्थित तेरापंथ भवन में तेरापंथ महिला मंडल द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय महामंत्री मधु देरासरिया की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मोनिया लुणिया उपस्थित थीं। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से की गई। अध्यक्ष मंजू सेठिया ने आगुंतकों का स्वागत किया। मण्डल की सदस्यों ने स्वागत, गीतिका के माध्यम से किया। निवर्तमान अध्यक्ष मंजू गिड़िया व पूर्वाध्यक्ष मधु बांठिया ने स्वागत करते हुए अपने भाव प्रस्तुत किए। उपमंत्री मधु चोरड़िया ने राष्ट्रीय महा मंत्री का परिचय दिया। अतिथियों का सम्मान किया गया।

मधु देरासरिया ने रिसाइलेंस का अर्थ समझाते हुए कहा कि सुख और दुख जीवन के दो पहलु हैं। कठिनाई के समय आत्मबल एवं सकारात्मक सोच के साथ कोई भी कार्य करें तो दुख की घड़ी निकल जाती है। कार्यशाला में अच्छी उपस्थिति रही। धन्यवाद ज्ञापन मंडल की सहमंत्री ममता पुगलिया ने दिया। संचालन मोनिका लुनिया ने किया।

जीतो यूएसए वाशिंगटन डीसी की वेबिनार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वाशिंगटन डीसी - जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) ने एक प्रभावशाली 8वां वेबिनार कार्यक्रम की मेजबानी की। कार्यक्रम का शुभारंभ जीतो एपेक्स के पूर्व डाइरेक्टर सञ्जन राज मेहता और जीतो लेडीज विंग सदस्य कमला मेहता के मंगलाचरण के साथ हुआ। जीतो यूएसए वाशिंगटन डीसी के सचिव राहुल जैन ने मंच का संचालन करते हुए जीतो वाशिंगटन डीसी के चेयरमेन भूपेश मेहता का परिचय दिया और उन्हें अपनी प्रारंभिक टिप्पणियाँ साझा करने के लिए आमंत्रित किया।

चेयरमैन भूपेश मेहता ने सेमिनार के लिए मंच तैयार करते हुए सभी मेहमानों का गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने संबोधन में, उन्होंने वाशिंगटन डीसी क्षेत्र में मौजूद प्रचुर अवसरों पर प्रकाश डाला और जीतो यूएसए वाशिंगटन डीसी द्वारा अपने सदस्यों के लिए लाई जाने वाली संभावनाओं की विस्तृत चर्चा की। जोश और उत्साह के साथ, मेहता ने जीतो प्लेटफॉर्म के माध्यम से पेश की जाने वाली नेटवर्किंग, व्यवसाय विकास, कौशल वृद्धि, वृद्धि और विकास की व्यापक संभावनाओं को रेखांकित किया। मेहता की आकर्षक बातचीत ने न केवल आयोजन के महत्व को बताया, बल्कि उन संभावनाओं की एक सम्मोहक तस्वीर भी पेश की। प्रारंभिक टिप्पणियों के बाद, कार्यक्रम की वक्ता सुश्री लिंडसे थॉमसन ने दर्शकों को 8(ए) व्यवसाय विकास कार्यक्रम और इसके लाभों की समझ प्रदान की। इस अवसर पर अशोक शाह, देवांग अजमेरा, संदीप मेहता, सुमित जैन, डॉ यश मेहता आदि के साथ वाशिंगटन डीसी के सदस्य तथा जीतो यू एस ए के विभिन्न क्षेत्रों के सदस्यों की उपस्थिति झूम के माध्यम से सराहनीय रही। राहुल जैन ने वक्ता और समर्पित स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

साइकल यात्री चौहान का चेन्नई में स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गत 26 मार्च से गुजरात के द्वारकाधीश से साइकिल यात्रा पर निकले जनकसिंह चौहान चेन्नई पहुंचे हैं। 12 ज्योतिर्लिंग और चारधाम की यात्रा के लिए गुजरात के नारोली निवासी जनकसिंह चौहान अभी चेन्नई पहुंचे हैं।

द्वारका के द्वारकाधीश मंदिर से 26 मार्च को शुरु हुई यह साइकिल यात्रा नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, सोमनाथ, बड़ौदा, सूरत, ओमकारेश्वर, इंदौर, उज्जैन महाकाल, मथुरा, वृंदावन, दिल्ली, हरिद्वार, केदार, बद्री, कैंचीधाम नीम करोली, लखनऊ, अयोध्या, काशी, बोधगया, गया, बैद्यानाथ धाम, जगन्नाथ पुरी, श्रीसेलम मल्लिकार्जुन ज्योर्तिलिंग होते हुए चेन्नई पहुंचे हैं।

यहां से रामेश्वरम्, भीमाशंकर, त्रयंबकेश्वर, घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग होते हुए लगभग 7200 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। चेन्नई पहुँचने पर श्रीअखिल भारतीय चारण-गढवी महासभा एवं श्री राजस्थान राजपूत परिषद् चेन्नई द्वारा स्वागत किया गया। अखिल भारतीय चारण-गढवी महासभा युवा अध्यक्ष हिंगलाजदान चारण आकली, श्रीराजस्थान राजपूत परिषद् चेन्नई अध्यक्ष मदनसिंह पातावत, उपाध्यक्ष मदनसिंह जेतावत गोविन्द सिंह सांखला, कोषाध्यक्ष चन्दनसिंह बालावत, सह सचिव मंगलसिंह धान्ता, शैरसिंह चंपावत, शैतानसिंह राजनवाड़ी, गंगासिंह डुडसी, गैंपसिंह नून, लालसिंह देवल, गोविंदसिंह भगवानसिंह जेतावत आदि स्वागत में मौजूद रहे।

अशुभ कर्मों से डरो न कि भगवान से : साध्वी धर्मप्रभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। डरना है तो अपने अशुम कर्मो से डरो भगवान से मत डरो। शुक्रवार को यहां साहुकारपेट के एस.एस. जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार मे महासती धर्म प्रभा ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य को भगवान से डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि कर्म हमारे अशुभ है तो भगवान भी हमे संसार तिरा नहीं पाएंगे। जीवन मे सुख और दुःख जो आते हैं वो हमारे कर्मो के आधार पर ही आते है। शुभ कर्म का फल सुख के रूप में और अशुभ व पाप कर्म का फल दुःख के रूप में अलग अलग भोगना पड़ता है। बिना भोगे कोई कर्म छूटता वा क्षय को प्राप्त नहीं होने वाला है। भगवान से डरने के बजाय,अगर हम हमारी गलतियों से हमें डरना चाहिए। भगवान हमें सजा नहीं देते है। बल्कि कर्म हमारे हमें सजा देते है।

साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तराध्ययन सूत्र के पांचवें अध्याय का वांचन करते हुए कहा कि जो मनुष्य अन्याय और अनीति एवं अधर्म के मार्ग पर चलतें है ऐसे व्यक्ति कि आत्मा नरक मे अलग -अलग स्थानों मे भयंकर वेदनाओं को अनंत बार दुःखों और कष्टों को भोगती है। कर्मो के पास न कागज और ना ही कोई किताब लेकिन हर अच्छे और बुरे कर्म का हिसाब परमात्मा के वहां होता है। संसार में कर्म प्रधान है इसके आधार पर ही आत्मा को सुख और दुःख भोगने पड़ते हैं। इस दौरान साध्वी धर्मप्रभाजी से पांच उपवास के कईयों को प्रत्याख्यान दिलाए। तपस्वियों और अतिथियों का एसएस जैन संघ के अध्यक्ष एम अजीतराज कोठारी, कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया, सञ्जनराज सुराणा, हस्तीमल खटोड़ आदि ने स्वागत किया। पार्श्व पद्मावती के एकासन व्रत करने वाली महिलाओं के तप की अनुमोदना की गई।

शसुन जैन कॉलेज में 'हड़प्पा की सभ्यता निरंतरता' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शसुन जैन महिला महाविद्यालय में कला और संस्कृति विभाग के उत्कृष्टता केन्द्र की ओर से 17-18 अगस्त को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित यह संगोष्ठी 'हड़प्पा की सभ्यता निरंतरता' विषय पर हुई।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डेक्कन कॉलेज, पुणे के पूर्व कुलपति, पुराविद् प्रो. वसंत शिंदे ने कहा कि प्राचीन हड़प्पा सभ्यता में पात्रविद्या, धातुवाद, नक्काशी, खेती-बाड़ी आदि की जानकारी मिलती है, जो आज भी प्रचलित है। ऐसे दुर्लभ पुरातात्विक विषय पर प्रथम संगोष्ठी करने के लिए शिंदे ने शसुन जैन कॉलेज की बहुत सराहना की।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संयुक्त महानिदेशक डॉ. संजयकुमार मुंजाल ने हरियाणा के राखीगढ़ी में हुई खुदाई के संदर्भ में हड़प्पा संस्कृति पर प्रकाश डाला। जेआरएन राजस्थान विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), उदयपुर में साहित्य संस्थान निदेशक प्रो. जीवनसिंह खरकवाल ने हड़प्पा के नगरीकरण में अरावली की ताम्रपाषाण संस्कृति की 'भूमिका' पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया। दोनों दिन 17 विद्वानों ने शोध-पत्र पढ़े। कार्यक्रम में संगोष्ठी शोधपत्र सारांश पुस्तिका का विमोचन प्रो. शिंदे, डॉ. मुंजाल, कॉलेज प्राचार्य डॉ. एस. पद्मावती, उप-प्राचार्य डॉ. एस. रुक्मणी एवं शोध-निदेशक डॉ. एसटी दीपा ने किया। पुस्तक का संपादन कला व संस्कृति के उत्कृष्टता केन्द्र की निदेशक डॉ. रमादेवी शेखर ने किया।

18 अगस्त को महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के पुरातत्व विभाग के पूर्व प्रोफेसर डॉ. वीएच सोनावाणे के मुख्य आतिथ्य में संगोष्ठी का समापन हुआ। सोनावाणे ने शसुन कॉलेज की छात्राओं के अनुशासन और धैर्य की बहुत प्रशंसा की। आरंभ में कॉलेज के सहसचिव डॉ. हरीश एल. मेहता सबका स्वागत किया। अंत में डॉ. रमादेवी शेखर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विशेष कार्यशाला — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दक्षिण रेलवे के मदुरै मंडल कार्यालय के कर्मचारियों के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 21 कर्मचारियों ने भाग लिया। आधिकारिक भाषा के अनुवाद और संवैधानिक प्रावधान के लिए विभिन्न ऐप की व्याख्या की गई है। वरिष्ठ अनुवादन एस.श्रीनिवासन ने कार्यशाला का आयोजन किया तथा राजभाषा अधिकारी डॉ. ए. श्रीनिवासन ने कार्यशाला का संचालन किया।

ज्ञानी हरिप्रित सिंह का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय पंजाब एसोसिएशन के पदधिकारियों ने स्वतंत्रता दिवस के उपरान्त गुरुवार को पंजाब राज्य से आये सिख समुदाय के ज्ञानी हरिप्रित सिंह का स्वागत किया। ज्ञानी सिंह का जन्म पंजाब राज्य के छोटे से गॉव गिद्धडवाहा में एक ग्रंन्थी परिवार में हुआ था। उनका आध्यात्म की ओर झुकाव बचपन से ही हो गया था। वह एक उच्च शिक्षित डिप्लोमाधारी निपुण व्यक्ति है। ज्ञानी हरिप्रित सिंह पंजाब राज्य के कई विश्वविद्यालयों से परस्नातक डिग्रीधारक है एवं कई विषयों में उन्होंने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। ज्ञानी ने कुरान का पंजाबी भाषा में अनुवाद भी किया है। आज ज्ञानी सिख समुदाय के चमकते सितारे बन गए है। ज्ञानी को सिखों के इतिहास तथा गुरुबानी का गहन ज्ञान है।

पंजाब एशोसियशन के अध्यक्ष डॉ. विक्रम अग्रवाल तथा कार्यकारी समिति के सदस्यों के साथ ही एसोसियेशन के सभी सदस्यों ने मिलकर ज्ञानी हरिप्रित सिंह का स्वागत किया तथा उनके द्वारा बताई गई बातों को ध्यानपूर्वक सुनकर जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।

'भूल को भी फूल बना देता है पुरुषार्थ'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शसुन जैन कॉलेज में जैनविद्या विभाग के शोध-प्रमुख साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि भगवान महावीर ने पुरुषार्थ पर सर्वाधिक जोर दिया। ऐसा करके उन्होंने भाग्यवाद और अकर्मण्यता पर चोट की, 2600 वर्ष पूर्व आत्मनिर्भरता की राह सुझाई। श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में ओसवाल गार्डन में आयोजित स्याद्वाद व्याख्यानमाला के पांचवें दिन शुक्रवार को उन्होंने कहा कि पुरुषार्थ के क्षितिज से ही सिद्धि का सूरज उगता है। पुरुषार्थ के बल पर अतीत की भूल को भी फूल बनाया जा सकता है। अशुभ को भी शुभ और शुद्ध बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि तमिल प्रदेश में जैन संतों ने अपने पुरुषार्थ से अंधेरी गुफाओं में भी ज्ञान का उजाला प्रकट कर दिया। वह उजाला आज भी साहित्य में जगमगा रहा और संस्कृति को आलोकित कर रहा है। वर्तमान में साधु-साध्वियों में बढ़ते प्रमाद व सुविधाभोग पर चिंता व्यक्त करते हुए डॉ. धींग ने सवाल किया कि जब पानी में ही आग लग जाए तो किससे बुझाएँ? उसे भी पुरुषार्थ से बुझाया जा सकता है। स्वाध्यायी अशोक रांका ने मिथ्यात्व छोड़ने की प्रेरणा दी। डॉ. धींग ने सनम बेताला और परी मेहता को पंचोले के पचखाण कराये। तीर्थंकर व गणधर विषयक प्रश्न स्पर्धाओं में रतन बाफणा, आशा वैदमूथा और शोभा टोडरवाल ने प्रथम स्थान पाया। सरोज पगारिया ने गीत सुनाया। निर्मल टोडरवाल ने संचालन किया।

जगत के सारे सुख अल्पकालिक, भयदायक हैं : आचार्य उदयप्रभसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में योगनिष्ठ आचार्यश्री केशरसूरीश्वरजी के समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी म.सा. ने वैराग्य गुण अधिकार के तहत वर्तमान के कर्तव्य और भविष्य के परिणाम के बारे में बताया कि भविष्य का लाभ देखते हुए वर्तमान के दुःखों का स्वीकार कर लेना चतुराई है और वर्तमान के थोड़े से सुख से ललचाकर भविष्य का दुःख स्वीकार कर लेना, वह मूर्खता है। मानव भव में कई आकर्षक के स्थान भी मिलते हैं। धर्मरूपी पिता ने पुण्य के रूप में मानव भव की सामग्री दी है, हमें उसे आगे बढ़ाना चाहिए। ज्ञानी कहते हैं अविरति की सामग्री में रहकर विरति के परिणाम लाना दुष्कर है पर असंभव नहीं है। जितना हो सके अविरति की सामग्री से दूर रहो। हमारी मानसिकता यह बन गई है कि धर्म को धर्मस्थान तक करना चाहिए। आप व्यवहार की दृष्टि से ऐसा सोचकर पापों में अभिवृद्धि कर रहे हो। पाप करना पड़े, वह अलग बात है किंतु पाप की अनुमोदना, परिमात्रा कम कर दो। उसके लिए पहले से ही निश्चय होना चाहिए।

आचार्यश्री ने कहा किसी सुख में आनंद करना, पाप की अनुमोदना करना पाप को निकाचित बनाने का उन्मार्ग है। मध्यम कर्मों का प्रायश्चित नहीं किया, उनकी उपेक्षा भी की तो बैठे-बैठे वे कर्म निकाचित बन जाएंगे। पाप छोटा ही है, ऐसा कभी मत सोचो। दूसरों के पापों को निश्चय से मत देखो, व्यवहार से देखो। अपने पाप कर्मों को निश्चय से देखो, व्यवहार से मत देखो। किसी दूसरी आत्मा के परिणाम की भविष्यवाणी हमें नहीं करनी चाहिए। यदि हम सामग्री मिलने पर भी धर्म नहीं करते हैं तो भविष्य में वह सामग्री नहीं मिल पाएगी। बहुत से धर्म ऐसे हैं, जिसमें पूछने से, अनुमोदना करने से उसके पुण्य मिल जाते हैं। धर्मी लोगों की उपेक्षा करना भी मध्यम पाप को निकाचित बना देता है। वैयावच्च गुण निकाचित कर्म को कम करने का उपाय है। जिस आत्मा के साथ दुःखों के काल में परमात्मा का सम्यकत्व रहता है, उसको दुःखों की वेदना ज्यादा नहीं होती। अपने दुःखों के काल में औरों का दुःख याद आ जाए और निवारण का उपाय सुझा लें तो वह पुण्य का कारण बनता है।

हमारी स्वर्णिम संस्कृति श्रेष्ठ संस्कारों पर ही अवलंबित है : देवेंद्रसागरसूरी

चेन्नई। यहां के श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन जैन संघ में धर्म प्रवचन देते हुए पूज्य आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने कहा कि अहंकार स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ मानने के कारण उत्पन्न हुआ एक व्यवहार है। यह एक ऐसा मनोविकार है जिसमें मनुष्य को न तो अपनी त्रुटियां दिखाई देती हैं और न ही दूसरों की अच्छी बातें। शांति का शत्रु है अहंकार। जब अहंकार बलवान हो जाता है तब वह मनुष्य की चेतना को अंधेरे की परत की तरह घेरने लगता है। जिस प्रकार नींबू की एक बूंद हजारों लीटर दूध को बर्बाद कर देती है उसी प्रकार मनुष्य का अहंकार अच्छे से अच्छे संबंधों को भी बर्बाद कर देता है। हमारे मनीषियों ने अहंकार को मनुष्य के जीवन में उन्नति की सबसे बड़ी बाधा माना है। अहंकारी मनुष्य परिवार और समाज को अधोगति की ओर ले जाता है। इसके विपरीत संस्कार मनुष्य को पुनीत बनाने की प्रक्रिया है। श्रेष्ठ संस्कार हमें मन, वचन, कर्म से पवित्रता की ओर ले जाते हैं। ये हमारे मानसिक धरातल को दिव्य प्रवृत्तियों से अलंकृत करते हैं। इससे मनुष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व में उत्कृष्टता आती है। श्रेष्ठ संस्कारों से ही मनुष्य परिवार और समाज में यश एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करता है। हमारे शास्त्रों में श्रेष्ठ संस्कारों को मनुष्य की सर्वोपरि धरोहर कहा गया है। इस धरोहर को सहेजना आवश्यक होता है। उन्होंने आगे कहा कि अहंकार मनुष्य की मानसिक एकाग्रता एवं संतुलन को भंग कर देता है। अहंकारी व्यक्ति सदैव अशांत ही रहता है। वहीं संस्कार हमारे अंत:करण को दिव्य गुणों से विभूषित करते हैं। संस्कार हमें प्रबुद्ध मार्ग की ओर अग्रसर करते हैं।

चिंतन को चैतन्य की ओर प्रभु वाणी ले जाती है : साध्वी चैतन्याश्री

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम सेन्टर में विराजित साध्वीश्री चैतन्य श्री जी म.सा.ने अपने प्रवचन में बताया कि चिंतन को चैतन्य की ओर ले जाने वाला यह प्रभु वाणी आपके पास है। आप अगर सकारात्मक सोचेंगे तो आपके जीवन में सकारात्मकता ही आएगा। हर आत्मा की कोई ना कोई इच्छा होती है पर संसार की नहीं होनी चाहिए। आप संसार की इच्छाओं को अगर प्रोत्साहित करोगे तो आप संसार सागर में गोते खाते रहोगे। आप संसार के परिग्रह से मुक्त होना है तो आपको धर्म के प्रति श्रद्धा आस्था आनी चाहिए। परिग्रह परी यानी चारों तरफ और ग्रह यानि घेर कर रखने वाला। परिग्रह तीन प्रकार का है सचित अचित और मिश्र तथा दूसरे प्रकार का भी परिग्रह है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.